दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन



16 महीने के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बेरोजगारी

वर्ष 52/ अंक 148/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, सोमवार 2 जनवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

## सांध्य प्रकाश विशेष

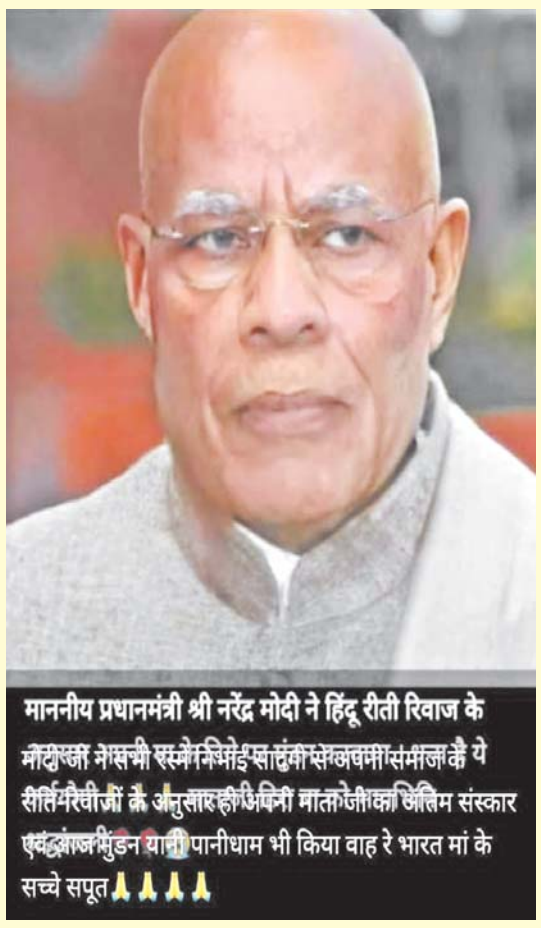



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हिंदू रीती रिवाज के मोदीजी ने सभी रस्में निभाई सनातनी समाज के ये रीति रिवाजों के अनुसार ही अपनी माताजी का अंतिम संस्कार एवं आज मुंडन यानी पानीधाम भी किया वाह रे भारत मां के सच्चे सपूत🙏🙏🙏🙏

## परिवार संग पुडुचेरी से लौटे सीएम शिवराज सिंह चौहान

### आज मंत्रियों को देंगे चुनावी टिप्स

चुनावी साल की शुरुआत हो गई है. 2023 के अंत महीनों में मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव संभव है. ऐसे में अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी अलर्ट मोड पर आ गए हैं. सीएम शिवराज आज चार दिवसीय यात्रा से लौटते ही मंत्रियों व अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. सीएम शिवराज आज मंत्रियों



को चुनावी टिप्स देंगे।

दरअसल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान परिवार समेत 28 दिसंबर की रात पुडुचेरी गए थे. सीएम शिवराज यहां महर्षि अरविंद के आश्रम में रुके और आध्यात्मिक शंति के साथ उन्होंने नए साल में सरकार की रणनीति पर भी चिंतन किया. आज सीएम शिवराज सिंह चौहान वापस भोपाल लौट रहे हैं. सीएम यहां आते ही मंत्रियों और अफसरों के साथ बैठकर करेंगे. सीएम जब भी आध्यात्मिक यात्रा से लौटते हैं तो कुछ नया करने की चाह लेकर आते हैं।

**मंत्रियों को दिए जाएंगे टिप्स-** माना जा रहा है कि आज की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने सहयोगी मंत्रियों को चुनावी टिप्स देंगे. मंत्रियों को अपने प्रभारी जिले में लगातार सक्रियता बनाने के साथ ही उन्हें जनता से सीधा संवाद बनाए जाने के भी निर्देश दिए जा सकते हैं. इसके अलावा इंदौर में आठ से दस जनवरी तक प्रस्तावित प्रवासी भारतीय सम्मेलन और 11 एवं 12 जनवरी को आयोजित होने वाले इंवेस्टर्स समिट की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, मुख्य सचिव, सभी विभागों के अपर सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों को बुलाया गया है. इस बैठक में साल 2023 में होने जा रहे विधानसभा चुनावों को लेकर खास रणनीति पर विचार विमर्श किया जाएगा।

# नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई मुहर

### संविधान पीठ के चार जज बोले- 500 और 1000 के नोट बंद करना सही, एक ने बताया गैरकानूनी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार के नोटबंदी के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। पांच जजों की संविधान पीठ ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। बेंच ने कहा कि 500 और 1000 के नोट बंद करने की प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। बेंच ने यह भी कहा कि आर्थिक फैसले को पलटा नहीं जा सकता। संविधान पीठ ने यह फैसला चार-एक के बहुमत से सुनाया।

पांच जजों की संविधान पीठ में जस्टिस एस अब्दुल नजीर, बीआर गवई, एएस बोपन्ना, वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल थे। इनमें से जस्टिस बीवी नागरत्ना ने बाकी चार जजों की राय से अलग फैसला लिखा। उन्होंने कहा कि नोटबंदी का फैसला गैरकानूनी था। इसे गजट नोटिफिकेशन की जगह कानून के जरिए लिया जाना था। हालांकि उन्होंने कहा कि इसका सरकार के पुराने फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।




### जस्टिस नागरत्ना बोलीं- नोटबंदी संसद के जरिए लागू करनी थी

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा- नोटबंदी से पहले सरकार और RBI के बीच बातचीत हुई थी। इससे यह माना जा सकता है कि नोटबंदी सरकार का मनमाना फैसला नहीं था। संविधान पीठ ने सरकार के फैसले को सही तो ठहराया, लेकिन बेंच में शामिल जस्टिस बीवी नागरत्ना ने इसके लिए अपनाई गई प्रोसेस को गलत ठहराया।



### सरकार ने कहा था- आरबीआई की सलाह पर की नोटबंदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में 1000 और 500 रुपए के नोट बंद करने का ऐलान किया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ 58 कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि किस कानून के तहत 1000 और 500 रुपए के नोट बंद किए गए थे। कोर्ट ने इस मामले में सरकार और आरबीआई से जवाब तलब किया था।

### केंद्र ने कहा था- काले धन से निपटने की थी नोटबंदी

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने नोटबंदी के फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह जाली करंसी, टेरर फंडिंग, काले धन और कर चोरी जैसी समस्याओं से निपटने की प्लानिंग का हिस्सा और असरदार तरीका था। यह इकोनॉमिक पॉलिसीज में बदलाव से जुड़ी सीरीज का सबसे बड़ा कदम था। केंद्र ने यह भी कहा था कि नोटबंदी का फैसला रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिश पर ही लिया गया था।

# राज्यों के जल संसाधन मंत्री भोपाल में करेंगे पानी पर चर्चा: प्रहलाद पटेल

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की राजधानी में आगामी पांच और छह जनवरी को देश के सभी राज्यों के जल संसाधन मंत्रियों की दो दिवसीय कान्फ्रेंस होगी। यह जानकारी आज केंद्रीय जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने एक प्रेस कान्फ्रेंस के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्ष वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार एक एक कार्य योजना और विजन 2047 दस्तावेज तैयार करने पर विचार कर रही है। यह विजन समग्र सरकार और समग्र देश दृष्टिकोण पर आधारित है। इंडिया-2047 योजना में

- **दो दिनी कान्फ्रेंस में इंडिया-2047 योजना के ब्लू प्रिंट में पानी का विशेष महत्व, चुनौतियों और समाधान पर चिंतन करेंगे**

ब्लू प्रिंट जल विशेष महत्व रखता है। हम इस कान्फ्रेंस पर इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

श्री पटेल ने कहा कि भारत को विकास की महान उपायों पर कि जल केवल के लिए समृद्धि और विकास के लिए भी मूलभूत है। हाल के दिनों में जल सुरक्षा में संबधित मुद्दे बहु- क्षेत्रीय चुनोतियों का रूप ग्रहण कर रहे हैं और तदनुसार इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए हमारे प्रयास समता की दृष्टि से होने चाहिए। इस महत्वपूर्ण विचार के साथ हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी समग्र जल प्रदाय के लिए वर्ष 2019 में जल शक्ति मंत्रालय तहत जलक्षेत्र करने वाले विभिन्न और संगठनों को एक साथ लाए हैं।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और जल संसाधनों का सतत प्रबंधन हमारे सभी नीतिगत निर्णयों का मूल है। जल सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करते हुए हमारे प्रयासों का मूल दर्शन हमारे प्रिय नेता मोदीजी द्वारा दिए गए 5 मी मंत्र पर आधारित है जिसमें पोलिटिक पलक फाइनेन्सिंग (सार्वजनिक वित्तपोषण) पार्टनर्शिप (साझेदारी) पब्लिक पार्टिसिपेशन (सार्वजनिक पादरी और परसूएसन फॉर सस्टेनबिलिटी (स्थिरत के लिए अनुनय शामिल है। उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जल शक्ति मंत्रालय जल विजन 2017 विषय के साथ जल के




संबंध में अखिल भारतीय राज्य मंत्रियों का प्रथम वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है। सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के हितधारकों से इस विजन के लिए इनपुट प्राप्त करना है, जल राज्य का विषय होने के कारण और राज्यों के साथ जुड़ाव और साझेदारी में सुधार लाने तथा जल शक्ति मंत्रालय की पहल और योजनाओं को साझा करना भी इसका उद्देश्य है।

श्री पटेल ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत इस अवसर उपस्थित रहेंगे। देश के सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के जल संसाधन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) और सिचाई के राज्य मंत्रियों को विजन 2047 का ब्लू प्रिंट तैयार करने और देश की जल समस्याओं को दूर करने के लिए एक रोड मैप तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्तों के साथ-साथ सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के जल संसाधन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) और सिंचाई के वरिष्ठ सचिव भी सम्मेलन में भाग लेंगे। जल शक्ति मंत्रालय ने केंद्रीय लाइन मंत्रालयों/विभागों के सचिवों को भी आमंत्रित किया है। एक प्रदर्शनी भी देखने को मिलेगी जहां युवा इनोवेटर्स स्टार्टअप जल क्षेत्र में नए इनोवेशन प्रदर्शित करेंगे।

उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय विभागों और मंत्रालयों को एक मंच पर लाने वाले जल विषय पर यह पहला सम्मेलन है। पेयजल, सतही जल भूजल, कृषि के लिए पानी, स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित समस्याए एक-दूसरे से जुड़ी होती है और इनका अकेले समाधान नहीं किया जा सकता है।

सम्मेलन के दौरान, माननीय राज्य मंत्री साथ जल सुरक्षित भारत के लिए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन में एक पूर्ण सत्र होगा जो वाटर विजन 2017 पर फोन के साथ सम्मेलन का एजेंडा तय करेगा। सम्मेलन में पांच विषय-क्षेत्र संबंधी स्त्र (योमेटिक सेशन) (1) जल की कमी, अधिशेष जल और पहाड़ी क्षेत्रों में जल सुरक्षा अपशिष्ट जल जन के पुन उपयोग सहित जल उपयोग दक्षता में बढ़ोतरी, वॉटर गवर्नेस जलवायु परिवर्तन अनुकूल जल अवसंरचना और (3) जन गुणवता प्रत्येक सत्र के लिए विषय को विषय के भीतर समग्र रूप से जल क्षेत्र में सभी मौजूदा समस्याओं को संबोधित करने की दृष्टि से चुना गया है। ये विषयगत सत्र इसलिए तैयार किए गए हैं ताकि हम 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के बड़े दृष्टिकोण की दिशा में मिलकर काम कर सके और यह केवल सभी हितधारकों के समर्थन से ही हो सकता है जो जल क्षेत्र में अधिक अच्छा और एक जल सुरक्षित भविष्य के लिए साइलो मानसिकता को तोड़ने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव भी भारत 2.0 को सक्रिय करने का एक दृष्टिकोण है और इसलिए मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि आबादी का ममृत महोत्सव के उत्सव में शक्ति हमारी समृद्ध विरासत के महान जल संरक्षण प्रकाशको श्रद्धाजलि देने हेतु एक जलविहार रहा है। मुझे बताया गया है कि. आज 75 जल संरक्षणमनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें ऐसी में प्राप्त हुई संरचनाओं को शामिल करने के लिए मुझे विश्वास है कि आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष में ये संरचनाएं नागरिकों और शेष के युवाओं में पानी के प्रति गर्व को फिर से जागृत करेगी।

# अंजलि को न्याय दो

### दिल्ली हॉरर स्टोरी को लेकर लोगों का प्रदर्शन, थाने का किया घेराव, आप विधायक की कार फोड़ी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के कंझावला कांड को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए. लोगों ने दिल्ली के सुल्तानपुरी थाने का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया. उधर, दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को समन भेजा है. दिल्ली के कंझावला में रविवार तड़के एक युवती का नग्न अवस्था में शव मिला था. बॉडी के कई हिस्से क्षत-विक्षत हो थे. पुलिस का दावा है कि कार सवार 5 युवकों ने एक युवती को टक्कर मारी, फिर सड़क पर 4 किमी तक घसीटा, जिससे उसकी मौत हो गई. दिल्ली पुलिस ने शव मिलने के बाद जांच की तो घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर



पुलिस को एक स्कूटी भी पड़ी मिली, जो दुर्घटनाग्रस्त थी. स्कूटी के नंबर के आधार पर युवती के बारे में पता किया गया.

**एलजी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को भेजा समन-** एलजी वीके सक्सेना ने समन भेजकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को बुलाया था. दोनों के बीच बैठक में एलजी ने पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है. उन्होंने इस मामले में अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की भूमिका का पता लगाने के लिए कहा है. एलजी ने सीपी से उन्हें इस मामले में अपडेट्स देते रहने के लिए कहा है.

## जम्मू में जहां 4 हिंदू मारे गए, वहीं आज धमाका, एक बच्ची की मौत

**श्रीनगर।** जम्मू के राजौरी में डांगरी गांव में सोमवार सुबह ब्लास्ट हुआ। एक बच्ची की मौत हो गई। 5 घायल हैं और इनमें से एक की हालत गंभीर है। धमाका उन 3 घरों में से एक में हुआ, जहां रविवार शाम आतंकवादियों ने फायरिंग की थी। इस आतंकी हमले में 4 हिंदुओं की जान चली गई और 7 घायल हैं। एडीजी मुकेश सिंह ने कहा कि पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। एनआईए की टीम भी यहां जांच करेगी। एक ढ्रश्वष्ठ मिला था, उसे इलाके से हटा दिया गया है। सर्च ऑपरेशन चल रहा है। आशंका जाहिर की है कि रविवार शाम फायरिंग के बाद ही आतंकवादियों ने घर में ढ्रश्वष्ठ रख दिया होगा। डांगरी में हिंदुओं की हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा था।

# कोरोना: चीन में 22 साल के भारतीय छात्र की मौत

**नई दिल्ली।** चीन में कोरोना से हालात बेकाबू हो चुके हैं। इस बीच चाइना कम्युनिस्ट पार्टी पर नजर रखने वाली ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट जेनिफर जेंग ने सोशल मीडिया पर दिल दहलाने वाला वीडियो शेयर किया है। इसमें एक शख्स को बिल्डिंग की छत से खुदकुशी करते देखा जा सकता है। जेंग का दावा है कि चीन में लोग कोरोना से परेशान होकर आत्महत्या कर रहे हैं। चीन में तमिलनाडु के रहने वाले अब्दुल शेख की मौत हो गई है। उनकी उम्र 22 साल थी। मौत की वजह कोई बीमारी बताई जा रही है, हालांकि साफ तौर पर बीमारी का नाम नहीं लिया गया



है। अब्दुल के शव को वापस लाने के लिए परिवार ने विदेश मंत्रालय से मदद मांगी है।

**ब्रिटेन: इमरजेंसी सर्विस न मिलने से हर हफ्ते 500 मौतें-** द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, रॉयल कॉलेज ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के डॉ. एड्रीयन बोयल का कहना है कि ब्रिटेन में हर हफ्ते 300 से 500 लोगों की मौत हो रही है। यह समय पर इलाज न मिलने की वजह से हो रहा है। दरअसल, इस वक्त ब्रिटेन में कोरोना के बढ़ते मामलों के साथ खतरनाक फ्लू भी फैला हुआ है।

**दुनिया में 66 करोड़ 49 लाख से ज्यादा मामले-** बुलेटिन के मुताबिक दुनिया में अब तक 66 करोड़ 52 लाख 9 हजार 964 मामले सामने आ चुके हैं। 11 जनवरी 2020 को चीन के वुहान में 61 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी।

### राहुल गांधी के सवाल, कमल हासन के जवाब

# चीन को मात सिर्फ भारत ही दे सकता है

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा 3 जनवरी से शुरू होनी है। इससे ठीक एक दिन पहले राहुल गांधी ने कमल हासन के साथ भारतीय राजनीति और संस्कृति पर चर्चा की। राहुल ने इस चर्चा की क्लिप सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा है कि वे नहीं मानते कि पश्चिमी देश चाइना को मात दे सकते हैं, ये काम सिर्फ भारत कर सकता है।

**चर्चा में चीन-खेती और राजनीति भी -** यह खास बातचीत शुरू करने के साथ राहुल ने कमल से कहा- मैं यह जानने के लिए बेकरार हूं कि देश में जो चल रहा है आप उस बारे में क्या सोचते हैं। इस पर कमल हासन ने सत्तारूढ़ भाजपा पर एक मौन कटाक्ष करते हुए कहा- मुझे लगा कि आज जो हो रहा है, उसके बारे में बोलना मेरा फर्ज है। यह 2,800 किमी कुछ भी नहीं है, आप खून-पसीने से तरबतर रास्ते पर चलें हैं। करीब चार साल पहले राजनीति में कदम रखने वाले 68 साल के नेता-अभिनेता ने भारत के पहले प्रधानमंत्री और जवाहरलाल नेहरू का भी जिक्र किया।

**यूक्रेन से की देश की तुलना-** राहुल ने भारत-चीन के रिश्तों की तुलना रूस-यूक्रेन से करते हुए कहा- जो यूक्रेन में हुआ। उसे दुनिया ने देखा। रूस ने कहा था- हम नहीं चाहते यूक्रेन के पश्चिमी देशों से गहरे संबंध हों। अगर ऐसा हुआ तो हम आपकी जियोग्राफी बदल देंगे। ठीक वैसा ही सिद्धांत हम भारत के साथ देख सकते हैं। चाइना जानता है हम अंदरूनी परेशानियों से जूझ रहे हैं।

# भोपाल में सबसे घना कोहरा, विजिबिलिटी 50मी. रही

### मप्र में पचमढ़ी सबसे ज्यादा ठंडा, 5 और 6 जनवरी को बारिश-ओले के आसार

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में दिसंबर भले ही 10 साल में सबसे गर्म रहा, लेकिन नया साल कड़ाके की ठंड लेकर आया। भोपाल में रविवार रात का पारा सबसे ज्यादा 3.5 डिग्री लुढ़ककर 7.2 रिकॉर्ड हुआ। सुबह कोहरा सबसे ज्यादा रहा। विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई थी। 10 बजे के बाद धूप तो निकली लेकिन ठंडी हवाओं की वजह से गर्माहट कम है।

प्रदेश में पचमढ़ी की रात सबसे सर्द रही। यहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। ग्वालियर में रात का तापमान 8.2, इंदौर में 9.4 डिग्री रहा। इंदौर में 2 डिग्री टेंपरेचर लुढ़का है। खंडवा, खरगोन नर्मदापुरम, खजुराहो, सतना, रीवा, सीधी और सिवनी में तापमान 10 से ऊपर रहा। बाकी जिलों में 10 से नीचे ही रिकॉर्ड हुआ। प्रदेश भर में सबसे ज्यादा कोहरा भोपाल, के अलावा रायसेन, गुना, उमरिया, दमोह, खजुराहो, जबलपुर और सागर में रहा। विजिबिलिटी 50 मीटर से लेकर 500 मीटर से कम रही।

#### 5 और 6 जनवरी को मावठा गिरने के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक, 5-6 जनवरी को मावठा भी गिर सकता है। इसकी एंट्री जबलपुर से होगी। यह भोपाल के पास तक एक्टिव रह सकता है। ग्वालियर-चंबल में रात का पारा 5 डिग्री के नीचे, तो इंदौर और भोपाल में यह 9 डिग्री तक आ सकता है। मौसम वैज्ञानिक एसएन साहू ने बताया कि ईस्ट एमपी में पानी गिर सकता है। अगर स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनता है, तो तापमान में तेजी से गिरावट होगी। सिस्टम अगर ज्यादा स्ट्रॉन्ग होता है तो ओले भी गिर सकते हैं।

#### प्रदेश के ये जिले भीगेंगे, यहां घना कोहरा

जबलपुर, नर्मदापुरम, बैतूल और आसपास के जिलों में दो दिन बारिश हो सकती है। अधिकांश इलाकों में तापमान 10 डिग्री के नीचे आ सकता है। ग्वालियर, चंबल, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल में पारा 7 से नीचे जा सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम में तापमान 9 डिग्री से नीचे आ सकता है। भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर और दतिया में घना कोहरा रहेगा। सागर, सतना, रीवा, रायसेन और भोपाल में मध्यम कोहरा रहेगा।

#### सिस्टम मजबूत हुआ, तो ओले भी गिर सकते हैं

अगर पश्चिमी विक्षोभ बहुत स्ट्रॉन्ग होता है, तो ओले भी गिर सकते हैं। ऐसे में ठंड ज्यादा पड़ सकती है। कई इलाकों में तापमान 4 डिग्री तक जा सकता है, लेकिन यह संभावना पश्चिमी विक्षोभ पर निर्भर करेगी। अभी तीन दिन भोपाल में 8-9 डिग्री तापमान आ जाएगा।

#### भोपाल भी ठिठुरन में जकड़ा

इस सर्द सीजन में अब तक तेज ठंड और घने कोहरे को तरस रहा भोपाल नए साल के पहले दिन ठिठुरन की जकड़ में आ ही गया। आज सुबह राजधानी में घना कोहरा है। 1 जनवरी की सुबह भी करीब ढाई घंटे राजधानी में सीजन का पहला घना कोहरा छाया। सुबह 7-30 बजे से 9 बजे तक शहर के ज्यादातर इलाकों में विजिबिलिटी कम रही। एयरपोर्ट रोड पर जहां यह 200 मी. थी, तो होशंगाबाद रोड पर 1000 मी. के आसपास। ढाई घंटे ऐसा ही नजारा दिखता रहा।

# महापौर ने स्वच्छता अभियान में श्रमदान कर की नये साल की शुरुआत

## 27 पर्यटन स्थलों पर की सफाई, लोगों से स्वच्छता संवाद भी किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर ने नव वर्ष की शुरूआत शहर के पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई हेतु चलाए गए विशेष स्वच्छता अभियान में स्वच्छता हेतु श्रमदान कर की साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी स्वच्छता हेतु श्रमदान किया व नागरिकों से स्वच्छता संवाद भी किया। महापौर श्रीमती राय के निर्देश पर शहर के लगभग 27 पर्यटन स्थलों पर भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया जहां क्षेत्रीय पार्षदगण ने निगम अधिकारियों के साथ स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और नागरिकों से संवाद कर शहर में स्वच्छता बनाए रखने व अपने शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील भी की। इस दौरान महापौर परिषद में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के प्रभारी सदस्य आर.के.सिंह बघेल व स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। महापौर विशेष सफाई अभियान में पर्यटन स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर लगभग 03 टन असंग्रहित कचरा जिसमें सूखे कचरे के साथ पन्नी, कांच की बाटल आदि सम्मिलित है एकत्र कर निष्पादन स्थल पहुंचाया गया। विशेष सफाई अभियान में अनेक जोन अध्यक्ष, पार्षद व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी सम्मिलित हुए।

महापौर मालती राय ने नव वर्ष की शुरूआत भी स्वच्छता में श्रमदान कर की। महापौर श्रीमती राय ने रविवार को प्रात: मनुआभान की टेकरी में स्वच्छता हेतु श्रमदान कर शहर के पर्यटन स्थलों व उसके आसपास की बेहतर साफ-सफाई हेतु संचालित विशेष स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया और अन्य पर्यटन स्थलों पर भी पहुंचकर स्वच्छता हेतु श्रमदान किया एवं नागरिकों को स्वच्छता हेतु प्रेरित भी किया। महापौर श्रीमती राय ने मनुआभान के टेकरे पर सफाई कार्य में श्रमदान कर नागरिकों को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया और जैन समाज के सदस्यों सहित अन्य नागरिकों से स्वच्छता संवाद कर स्वच्छता की गतिविधियों में सक्रिय योगदान देते हुए अपने शहर को स्वच्छता में नंबर 01 बनाने तथा प्रतिबंधित पॉलीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील भी की। महापौर श्रीमती राय ने दुकानदारों से 02 डस्टबिन आवश्यक रूप से रखने की समझाइश दी तथा निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह दुकानदारों द्वारा अपने संस्थानों पर 02 डस्टबिन की व्यवस्था आवश्यक रूप से सुनिश्चित कराएं। महापौर स्वयं इसकी मॉनीटरिंग करेंगी।

महापौर मालती राय के निर्देश पर शहर के पर्यटन स्थलों व उनके आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान के तहत स्थानीय जोनल अध्यक्षों, पार्षदगण व निगम अधिकारियों ने स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और पर्यटन स्थलों के आसपास के व्यवसायियों, पर्यटकों व स्थानीय नागरिकों से भी चर्चा की और स्वच्छता हेतु सक्रिय सहयोग, पॉलीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा अपने शहर को स्वच्छता में नंबर 01 बनाने की अपील भी की। इस दौरान दुकानदारों को 02 बड़े डस्टबिन आवश्यक रूप से रखने एवं ग्राहकों को सामान खरीदने हेतु कपड़े का थैला घर से लाने हेतु प्रेरित करने की समझाइश भी दी गई। विशेष स्वच्छता अभियान के मनुआभान टेकरी के अलावा गुफा मंदिर, गौहर महल, सदर मंजिल, सेल्फी पाइंट व्हीआईपी रोड, ताजुल मसाजिद, चौक बाजार जामा मस्जिद, कुदसिया पार्क, भारत भवन, बोट क्लब, कमला पार्क, खुशबू पार्क, किलोल पार्क, रीजनल साइंस सेंटर, स्टेट म्युजियम, शीतलदास की बगिया, ट्राइबल म्युजियम, वर्धमान पार्क, सैर सपाटा, बिड़ला मंदिर, गुलाब उद्यान, न्यू मार्केट, कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेंटर (मिन्टो हाल), नीलम पार्क, शौर्य स्मारक, पीपुल्स मॉल तथा हताईखेड़ा बांध स्थित बोट क्लब आदि स्थानों पर विशेष स्वच्छता अभियान एवं स्वच्छता संवाद आयोजित किये गये।

# लाइलाज बीमारी थैलेसीमिया को जड़ से खत्म करने का लिया संकल्प

## थैलेसीमिया पर शोध कर रही गुजरात यूनिवर्सिटी की डॉक्टर ने लिया सैंपल

**संत हिरदाराम नगर।** नववर्ष पर गुरुनानक मंडल एवं पूज्य सिंधी पंचायत नानक टेकरी के तत्वाधान में सैंकड़ो नागरिकों ने थैलेसीमिया बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए गुजरात यूनिवर्सिटी अहमदाबाद के डॉक्टर खुशबू गौतम एवं यशस्व गौर द्वारा थैलेसीमिया पर किए जा रहे शोध हेतु अपने रक्त के नमूने मेडिकल टीम को सौंपे। इसके अलावा आमजन की थायराइड, ब्लड शुगर एवं थैलेसीमिया की नि:शुल्क जांच की गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश कुकरेजा कुकरेजा ने संस्था द्वारा विभिन्न अवसरों पर थैलेसीमिया के प्रति जागरूक कैंपो का उल्लेख करते हुए कहा कि थैलेसीमिया खून से संबंधित एक गंभीर बीमारी है। इसमें रेड ब्लड सेल्स तेजी से नष्ट होते हैं और ब्लड की कमी होने लगती है। इस कारण मरीज को हर महीने एक से तीन बोतल ब्लड चढ़ाना पड़ता है और मरीज के जीवन पर खतरा मंडराता रहता है इस अवसर पर अमरलाल दावानी, दर्शन कुकरेजा, सुभाष खत्री, रवि आनंद, भगवानदास ढालिया, शुभम श्रीवास, सुनील नीलकंठ, पंकज लखमानी आदि उपस्थित थे।

# चंदन नगर में भागवत कथा का आयोजन, कलश यात्रा में शामिल हुई विधायक कृष्णा गौर

**भोपाल।** वार्ड 73 के चंदन नगर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिन, विधायक, म.प्र.शासन पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य(राज्यमंत्री) कृष्णा गौर, वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर, वार्ड 72 के पार्षद जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, भानपुर मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर, पूर्व पार्षद, भाजपा वरिष्ठ नेत्री सुश्री तुलसा वर्मा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, मंडल महामंत्री सुबोध साहू के उपस्थिति में कलश यात्रा निकाली गई। श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक मंडल मंत्री श्री शिवदयाल मैथिल ने बताया कि 1 से 7 जनबरी 2023 तक आचार्य श्री योगेश पाठक के द्वारा कथा श्रवण कराया जायेगा कलश यात्रा में नर्बदा प्रसाद सचान, बीएस मरमट, राहुल कुचबंदिया, देवेंद्र साहू, अभिषेक माली, रविशंकर लोधी, विनोद साहू, कैलाश सोनी, ज्योति विश्वकर्मा, सीता चौरसिया, सविता द्विवेदी, सुनीता पाल, जितेंद्र ठाकुर, विशाल साहू, विजय वघेल, पप्पू ठाकुर, गप्पू अहिरवार, पप्पू सूर्यवंशी, रोहित झा तथा अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# संत हिरदाराम नगर में निकाली भव्य साईं पालकी

भोपाल। श्री साईं सेवा समिति द्वारा 9 वर्ष की भव्य साईं पालकी निकाली गई संत हिरदाराम नगर में जिसमें बैंड बग्गी वा डीजे में युवा और महिलाएं साईं भजनों में आनंद उठाते हुए या विसर्जन घाट के पास दुर्गा मंदिर से से चंचल चौराहे और बस स्टैंड से प्रभावित दुर्गा मंदिर पर समापन किया गया जगह-जगह साईं पालकी का स्वागत किया गया इसके अध्यक्ष कृष्णा सेन महेंद्र चौहान संजय मालवीय राजेंद्र सेन सचिन तिवारी तरुण कनौजिया, सोनी, राकेश मैहर राजू सेन पवन सेन आने युवा साथियों ने उत्साह उमंग से हिस्सा लिया।

# अधिवक्ता एडवोकेट माया मदकोरिया की लिखित पुस्तक नरेंद्र मोदी ब्रम्हांड का चमकता तारा

**भोपाल।** अधिवक्ता माया मदकोरिया द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन को समर्पित नरेंद्र मोदी ब्रह्मांड का चमकता तारा शीर्षक से एक पुस्तक का लेखन किया है।

यह किताब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित है। इसमें उनके बचपन से लेकर वर्तमान प्रधनमंत्री की जनहित की योजनाओं के सभी पहलुओं पर लिखने की कोशिश की है। इसमें सभी विषयों को शोध करके लिखा गया है। भारत के प्रत्येक राज्य से लोगों के विचारों को शामिल किया है जो कि पिछले आठ साल में विकास का प्रत्यक्ष प्रमाण साबित करती हैं, उन्हें शामिल किया गया है। इसमें विदेश के भी कुछ लोगों के विचार जो भारत के विकास का वर्णन करते हुए बताया गया है। माया मदकोरिया ने बताया कि नरेंद्र मोदी का जीवन देश ही नहीं अपितु पूरे विश्व के लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है यह ऐसा तारा है जो सभी को राह दिखाता है भोपाल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पी. सी. कोठारी ने कानून के संशोधन के विषय मे सहायता की जो किताब में शामिल है। एडवोकेट वैशाली सिंग राठौर और एडवोकेट रचना सिंह चौहान ने महिलाओं से सम्बंधित कानूनों के विषय मे लेखन में सहायता की। माया मदकोरिया ने बताया कि इस किताब को लिखने में एडवोकेट महेश कुमार सोनी ने मार्गदर्शन किया एवं पति नरेंद्र राजगीर ने हौसला बढ़ाया और लेखन में सहायता की। लेखिका माया मदकोरिया ने राजस्थान के महंत डॉक्टर

नानक दास महाराज, पूर्व केंद्रीय मंत्री सी आर चौधरी, असम की भाजपा नेत्री पूर्वा बोरा ककाती, मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता, वरिष्ठ साहित्यकार कैलाश चंद्र पंत,पूर्व लोकसभा सांसद आलोक संजर, वर्तमान लोकसभा सांसद उदय प्रताप सिंह ,प्रोफेसर प्रदीप जैन अधिवक्ता संतोष सिंह राठौर सभी का कृतज्ञता से हृदय से आभार प्रकट किया है । इस किताब में सभी विषयों के जानकारों से ली गई जानकारी और भारत सरकार के सोशल पोर्टल में उपलब्ध डाटा को शामिल किया गया है। यह किताब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत की जनता की शुभकामनाओं के साथ 2023 का उपहार है। इसकी ई-बुक गूगल पर आ गई है इसे पढ़ें और कृपया अपने विचार प्रकट करें।

# नववर्ष पर कैलाश भैरव का हुआ विशेष श्रृंगार, लगी भक्तों की भीड़

**संत हिरदाराम नगर।** लालघाटी स्थित काल भैरव मठ पर रविवार को नववर्ष के आगमन पर भक्तों की भीड़ लगी रही। काल भैरव मठ के महंत कैलाशदास पंडा बाबा ने बताया है कि नववर्ष पर कैलाश भैरव का विशेष श्रृंगार किया गया और महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तजनों ने आकर बाबा से आशीर्वाद लिया और अनुष्ठान निवारण हवन किया। उन्होंने बताया कि देश की खुशहाली और उन्नति और देश में भाईचारा बना रहे कोरोना से मुक्ति मिले। इसको लेकर भगवान काल भैरव से विशेष प्रार्थना की गई।

# गहोई समाज ने सूर्य भगवान की पूजा कर मनाया नववर्ष

भोपाल। गहोई वैश्य समाज पंचायत द्वारा नववर्ष पर अपने आराध्य भगवान सूर्यदेव की पूजा अर्चना का आयोजन किया। इस अवसर पर समाज के फतेहगढ़ स्थित मंदिर कंठाली में स्थापित भगवान सूर्य की प्रतिमा का अभिषेक करने के साथ ही आकर्षक श्रगार हवन और आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इसके बाद उपस्थित स्वजातीय बन्धुओं ने एक दुसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राकेश कनकने, मंत्री अमरचंद कठल, सांस्कृतिक मंत्री दीपक सावला, वरूण गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, रूपेश गुप्ता, हेमंत कनकने, राशि गुप्ता, तनुज कुदरिया सहित स्वजातीय बन्धु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# 26 से संत नगर में घर घर चलो हाथ जोड़ो अभियान चलाया जाएगा: मुकेश नायक

## अभियान को लेकर हुई ब्लॉक कांग्रेस की बैठक

**संत हिरदाराम नगर।** ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता महेश गुरबानी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज संत हिरदाराम नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं गांधीनगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक झूलेलाल मंदिर में हुई जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में हुजुर विधानसभा के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री मुकेश नायक , सह प्रभारी सुरेन्द्र चोबे जी प्रभारी मनोज कपुर हुजुर विधानसभा के पूर्व विधायक जीतेन्द्र डांगा हुजुर विधानसभा के रहे कांग्रेस प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा पूर्व जिला अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी जिला पंचायत सदस्य विशणु विश्वकर्मा , वरिष्ठ कांग्रेस नेता रघुवीर मीणा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आनंद सबधाणी उपस्थित थे इस अवसर पर हुजुर विधानसभा के प्रभारी मुकेश नायक ने कहा कि भारत जोडो यात्रा की सफलता के बाद अब कांग्रेस घर घर चलो हाथ

जोडो अभियान चलाने जा रही है जिस संबंध में हम 26 जनवरी से यहां के कांग्रेस जनों को घर घर जाकर हाथ जोडो अभियान चला रहे है जिसके जरिए हम घर में जाकर लोगों को बताएंगे की किस प्रकार भाजपा सरकार विफल साबित हुई है चाहे वह कोरोना का समय हो या वर्तमान में मंहगाई और भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी हो हम इस अभियान के जरिए भाजपा सरकार की विफलताओं और कांग्रेस की सरकार में हुए कार्यों के बारे में जनता को अवगत कराएंगे। सह प्रभारी सुरेन्द्र चोबे ने कहा की हम इस चुनाव में हुजुर विधानसभा से कांग्रेस का विधायक बनने जा रहा है प्रभारी मनोज कपुर ने कहा की पुरे प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ नाराजगी है और जनता कांग्रेस की सरकार बनाने जा रही है। पूर्व विधायक जीतेन्द्र डांगा ने कहा की आने वाले चुनाव में हम सबको मिलकर इस भाजपा सरकार को उखाड़ कर पुन: कांग्रेस की सरकार बनाना है हुजुर विधानसभा से रहे कांग्रेस प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी ने कहा कि हम हुजुर विधानसभा में विधायक रामेश्वर शर्मा की मनमानी और गुंडागर्दी नहीं चलने देंगे। पूर्व जिला अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि 2018 के चुनाव हो या इससे पहले के चुनाव में हुए हो समय समय पर यहां की जनता ने कांग्रेस का साथ दिया है यहां के नेता सब एकजुट है यहां पर उपस्थित प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी ने कहा कि पुरे प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी लगातार सक्रिय हैं आने वाले समय में पुन: कांग्रेस की सरकार बन रही है यह तय है इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण, अपने ब्लॉक की बात रखी। बैठक में आनंद सबधाणी, दिनेश मेघानी, रघुवीर मीणा, विशणु विश्वकर्मा, ने भी विचार रखे इस। अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता घनश्याम लालवानी, तुलसी जोतवानी, ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुनम यादव, दिनेश मेघानी, हरिश मेंहरचंदानी, विशणु मारण, भरत आसनानी, सुरेश सिंगरोली, मोहनलाल चदनानी, रामभरोसे भगवानिया, राज मनवानी, महेश गुरबानी, मनोहर सतानी, जीतु बलवा, नरेश केवलानी, प्रकाश विधानी, दीपक रामरखयानी, शम्मी गंगवानी, अशोक मेहर, दिनेश विश्वकर्मा लक्ष्मन यादव, नंद किशोर नागर, ओम प्रकाश नागर, चाद खा, आत्माराम सूर्यवंशी, राहुल दुबे, क्युम खान, साहिल खान, हरिश वलेचा, सोना मीणा, सोनु जैन, रुकमणी नाथ सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

# डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा के द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन रांची में हुआ

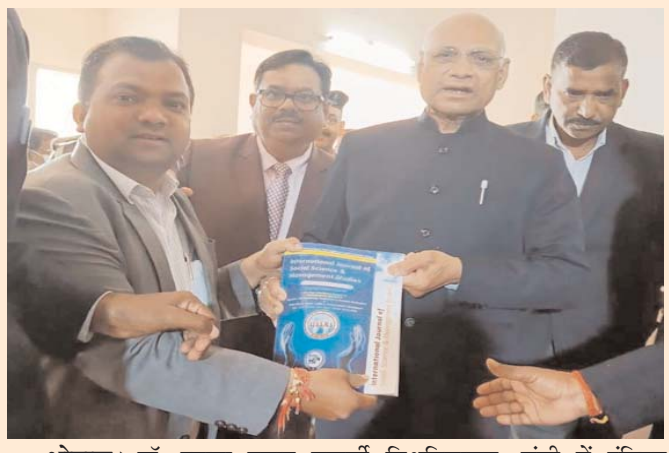



**भोपाल।** डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में इंडियन इकॉनोमिक एसोसिएशन के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स आयोजित की गई। उक्त कॉन्फ्रेन्स में युवा आर्थिक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इंडियन इकॉनोमिक एसोसिएशन के ई.सी. मैम्बर एवं मध्यप्रदेश प्रभारी डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020~ चुनौतियां और अवसर के विषय पर लिखी पुस्तक का विमोचन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, डॉ. अनील ठाकुर-मुख्य संयोजक आई.ई.ए., डॉ. देवेन्द्र अवस्थी-उपाध्यक्ष आई.ई.ए. आदि के द्वारा किया गया। एवं उक्त अवसर पर झारखण्ड के माननीय राज्यपाल रमेश बैश के उपस्थित में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

# विरासत में मिली सियासत की बदली दिशा

**भोपाल।** भारत सरकार में नागर विमानन मंत्री व मध्य प्रदेश से राज्य सभा सांसद ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया शनिवार अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं. मध्य प्रदेश की सियासत के सबसे कद्दावर और चर्चित चेहरों में से एक ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए सियासी नजरिए से देखा जाए तो यह पूरा साल उनके नाम रहा है. प्रधानमंत्री मोदी सहित कई दिग्गज नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.।

जन्मदिन पर बधाईयों का लगा तांतामध्य प्रदेश की राजनीति में ग्वालियर के सिंधिया राजघराने का प्रभाव सबसे ज्यादा रहा है. इसी परिवार से आने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया इस वक्त मध्य प्रदेश के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक हैं, उनके जन्मदिन पर शनिवार सुबह से ही देश-प्रदेश के विभिन्न नेता उन्हें बधाई देते नजर आएं. प्रधानमंत्री मोदी से लेकर मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने उन्हें जन्मदिन पर शुभकामनाएं भेजी.

वालियर राजघराने के स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के पुत्र ज्योतिरादित्य सिंधिया का जन्म 1 जनवरी 1971 को बॉम्बे में हुआ था. परिवार में सियासी माहौल के बाद भी सत्ता से दूर रहने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिता की मृत्यु के बाद राजनीति में एंट्री ली. लिहाजा ज्योतिरादित्य सिंधियाने 18 दिसंबर को औपचारिक रूप से कांग्रेस का हाथ थाम लिया. राजनीति की मुख्यधारा का हिस्सा बनने के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पिता के संसदीय क्षेत्र मध्यप्रदेश की गुना सीट को अपनी संसदीय सीट चुना. कम समय में ही सियासी सरजमीं पर ज्योतिरादित्य सिंधिया की बढ़ती लोकप्रियता ने उन्हें बड़ी राजनीतिक हस्ती बना दिया. लेकिन 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया का?ग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए. 2021 में ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में नागरिक उड्डय मंत्री बनाए गए.

# बिजलीकर्मी 9 से करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में 9 जनवरी से बिजलीकर्मियों की बड़ी हड़ताल शुरू होगी। प्रदेश के करीब 70 हजार बिजलीकर्मी सभी कामों का अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। परमानेंट, इंश्योरेंस समेत पांच सूत्री मांगों के समर्थन में यह आंदोलन होगा। इसे लेकर सरकार को चेतावनी भी दी गई है।

यूनाइटेड फोरम फॉर पॉवर इंप्लाइज एवं इंजीनियर्स के बैनरतले यह आंदोलन शुरू होगा। प्रदेश संयोजक वीकेएस परिहार ने बताया कि मांगों को लेकर पिछले छह साल से से आंदोलन कर रहे हैं। पूर्व के आंदोलन के दौरान ऊर्जा मंत्री एवं अफसरों ने आश्वासन दिए। बावजूद मांगें पूरी नहीं हुई। उल्टे कर्मचारियों पर कार्रवाई जारी है। कर्मचारियों की मांग है कि संविदा बिजलीकर्मियों को तुरंत नियमित किया जाए। आउटसोर्स कर्मचारियों को संविलियन करते हुए कार्यावधि एवं वरिष्ठता के अनुसार वेतनवृद्धि प्रदान करते हुए उनके भविष्य को सुरक्षित करने की नीति बनाई जाए। 20 लाख रुपए तक दुर्घटना बीमा भी कराया जाए। पुरानी पेंशन बहाल की जाए।

## जन-जन तक पहुंचायी जा रही है राज्य सरकार की योजनाएंः राज्य मंत्री पटेल

**भोपाल।** पिछड़ा-वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) रामखेलावन पटेल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता शासक है और सरकार जनता की सेवक। राज्य सरकार जन -हितैषी योजनाओं के माध्यम से जन-कल्याण के पथ पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से जो भी लोग वंचित रह गये है, उन्हें चिन्हित कर लाभांवित करने का कार्य किया जा रहा है। राज्य मंत्री श्री पटेल शनिवार को सतना जिले के अमरपाटन के ग्राम कोंतर में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम का उद्देश्य गाँव-गाँव घुमकर जन समास्याओं को सुनना है और उनका निराकरण करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी जन-कल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है। प्रदेश विकसित राज्यों की सूची में अपना स्थान बना चुका है। राज्य मंत्री ने ग्राम पंचायत जमुना, ताला, मढ़ी, कस्तरा, अजमाइन और ललितपुर में भी ग्रामीणों से संवाद किया।



# 139 लोगों ने कृष्ण प्रणामी मंदिर में आयोजित शिविर में किया रक्तदान



भोपाल। नव वर्ष का प्रारंभ और जन सेवा की पवित्र भावना को लेकर श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में पूज्य माँ सुषमा शर्मा जी की स्मृति में 1 जनवरी 2023 रविवार को जरूरतमन्दों के हितार्थ, हमीदिया ब्लड बैंक के लिए डॉ पुनीत टंडन, डॉ रिनी मलिक और डॉ उमेंद्र मोहन शर्मा के निर्देशन में तुम सेवा से पाओगे पार विचार मंच और श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के बैनर तले रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे शहरवासियों और समाजजन के सहयोग से कुल 139 यूनिट ब्लड कलेक्ट हुआ । इस शिविर में पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं में ईशान अग्रवाल,अरुण, गौरी, राहुल, निखिल और आर्यन अग्रवाल ने इस सकारात्मक पहल की सराहना की।

# भोपाल में एक साल में 14 लाख से अधिक व्यक्तियों को नि:शुल्क खाद्यान्न वितरित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खाद्य आपूर्ति अधिकारी मीना मालाकार ने बताया कि कोविड काल में शुरू की गई निःशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना के अंतर्गत भोपाल के 3 लाख परिवारों के 14 लाख सेअधिक लोगो को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया है। जिले में मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना साल 2022 में 3 लाख हितग्राहियों को 40541 मेट्रिक टन गेहूं एवं 32855 मेट्रिक टन चावल के साथ-साथ अंतर्गत 16238 मेट्रिक टन गेहूं एवं 54482 मेट्रिक टन चावल का वितरण किया गया।

वर्ष 2022 में 22147 नवीन परिवारों के 79794 सदस्यों को राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत पात्रता पर्ची जारी कर लाभान्वित किया गया इसके साथ ही वर्तमान में हृस्न्नक्र का लाभ ले रहे परिवारों में 45254 नए सदस्यों को जोडकर लाभान्वित किया। वर्तमान में 332763 परिवार एवं 1413365 सदस्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

**नि:शुल्क खाद्यान्न पात्रता अनुसार साल भर मिलेगा:** जिले के सभी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक एनएफएसए योजना के प्राथमिक परिवारों के प्रति सदस्य 5 किलो एवं अंत्योदय परिवारों को 35 किलो राशन नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार अगर किसी परिवार का माह दिसंबर 2022 का राशन लेना बाकी रहा है उसे भी नि:शुल्क दिया जाएगा। राशन लेने के पश्चात जिन हितग्राहियों द्वारा मोबाइल अपडेट करवाया गया है। उनके नंबर पर राशन के प्राप्त होने का मैसेज प्राप्त होगा एवं उचित मूल्य दुकान पर राशन प्राप्त करते समय संचालित मशीन में प्रदाय की जारी सामग्री की आवाज भी सुनाई देगी।

# विद्युत संबंधी शिकायतों की कल आयोजित फोरम में सुनवाई

**भोपाल ।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शहर के बिजली उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए 3 जनवरी 2023 को भोपाल शहर वृत्त कार्यालय में बिद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम द्वारा इस जनसुनवाई में भोपाल शहर के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों की सुनवाई की जाएगी तथा शिकातयों का त्वरित निराकरण भी किया जाएगा। इसी क्रम में कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की जनसुनवाई का आयोजन शहर वृत्त कार्यालय, सुल्तानिया रोड, रायल मार्केट, भोपाल में सुबह 11 बजे से शाम 4 तक किया जाएगा। कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि इस जनसुनवाई के माध्यम से बिजली उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी शिकायतों का निराकरण कराना सुनिश्चित करें।

## गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी बैठक 4 को

**भोपाल ।** संभागायुक्त मालसिंह भयड़िया की अध्यक्षता में 4 जनवरी को प्रातः11 बजे आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी संबंधी बैठक आयोजित की गई है। उपायुक्त राजस्व किरण गुप्ता ने बताया कि राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस आयोजन के बैठक में पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर, आयुक्त नगर निगम, महाप्रबंधक दूर संचार निगम, कार्यपालन यंत्री मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि संबंधित विभागों के अधिकारी को बैठक में उपस्थित रहेंगे।

## नववर्ष-नयासाल-न्यू इयर

1 जनवरी 2023 दुनिया भर में सर्वाधिक प्रचलित कलेंडर का पहला दिन है जिसमें हमारे देश में भी सरकारी कामकाज होता है तो ज़ाहिर है इन तारीखों का हमारी ज़िंदगी से गहरा नाता है लेकिन आजकल इस नए वर्ष और इन तारीखों को लेकर सबके अपने अपने तर्क हैं।

इसे सरल भाषा में कहें तो इन तिथियों से वास्ता तो सबका है लेकिन कुछ को इस दिन शुभकामना से भी परहेज़ है। कोई शक संवत तो कोई हिजरी को शुभकामनाओं की अपेक्षा रखता है।

फिर भी 2023 तो शुरू हो गया है और इसकी ज़रूरत भी सबको है तो आइए आवश्यकता ही सही इसे स्वीकार तो सभी को करना है...

शकसंवतऔर हिजरी

हिंदी वर्ष चैत्र से प्रारंभ होता है जो अंग्रेज़ी के मार्च माह के मध्य में आता है हिजरी का पहला माह मोहर्रम से शुरू होता है जो इस बार जून में आयेगा हिजरी याने इस्लामिक कैलेंडर चांद पर आधारित है जिसके कारण हर वर्ष इसमें लगभग 10 दिन घटते चलते हैं इसलिए यह वर्ष कालांतर में हर मौसम में और माह में आते है।

भारत में 12 हिंदी कैलेंडर हैं जिनमें से विक्रम और शक संवत सर्वाधिक प्रचलित है।

राष्ट्रीय कैलेंडर

देश में 1952 में समिति गठित की गई थी , जिसके पश्चात करंदीकर , गोरख प्रसाद , एन.सी लाहिड़ी और आर.वी वैद्य ने वैज्ञानिक अध्यन और सटीक डाटा के आधार पर 22 मार्च 1957 को राष्ट्रीय कैलेंडर बनाया यह कैलेंडर शक संवत पर आधारित है।

कुछ भी कहें यह अंग्रेजी याने ईस्वी कैलेंडर हमारे बीच सामान्य रूप से है जो हमें जोड़कर कर रखता है।

आप सबको शुभकामनाएं...

नया वर्ष आपके जीवन में सुख और समृद्धि लाए...

डॉ नुज़हत परवीन सिद्दीक़ी पूर्व संपादक डीएनएन न्यूज़, रिज़वान अहमद सिद्दीक़ी, ग्रुप एडिटर डिजिआना मीडिया ग्रुप वरिष्ठ मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ

# लॉ चेम्बर के केलेण्डर का विमोचन



**भोपाल।** नगर पालिक निगम भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय जी द्वारा लॉ चेम्बर के केलेण्डर का विमोचन किया गया। केलेण्डर में हाईकोर्ट एवं जिला न्यायालय एवं शासन की महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी दी गयी हैं, एवं भोपाल के सभी आवश्यक व्यक्तियों के मोबाइल नंबर भी दिये गये है। जिससे भोपाल की जनता को अत्याधिक लाभ होगा। विमोचन के समय मप्र मंत्रालय बार ऐसोसियेशन के अध्यक्ष संजय गुप्ता एडवोकेट, साहू लॉ चेम्बर के महेश साहू, पूर्व शासकीय अधिवक्ता एच.एल.झा, एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एम.एल.राय एवं संजय सेन एवं अन्य अधिवक्तागण उपस्थित थे।

# जीवन्मुक्त श्री तैलंग स्वामी पर शंकर व्याख्यानमाला का आयोजन

भोपाल। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग द्वारा शंकर व्याख्यानमाला के अंतर्गत %जीवनमुक्त श्री तैलंग स्वामी% विषय पर व्याख्यान हुआ। वक्ता स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी ने श्री तैलंग स्वामी के जीवन दर्शन के विषय में उपदेश दिया। स्वामीजी ने बताया कि जीवन्मुक्त का अर्थ होता है जो जीते जी संसार बंधन से अथवा जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाए, और यह मुक्ति ब्रह्मज्ञान के द्वारा ही मिलती है। भारत में ऐसे अनेक ब्रह्मज्ञानी व सिद्ध संत हुए हैं। श्री तैलंग स्वामी भी उनमें से एक हैं, जिनका जीवन अनेक चमत्कारों से भरा रहा।

श्री तैलंग स्वामी का जन्म 1607 में आंध्रप्रदेश में हुआ और नाम रखा गया शिवराम। 40 वर्ष की आयु में पिता का तथा 50 वर्ष की आयु में माता का स्वर्गवास हुआ और माता के अंतिम संस्कार के बाद 20 वर्षों तक वह श्मशान में ही रहे। वहीं एक संन्यासी आए जिनका नाम था - भगीरथ सरस्वती। यह आदि शंकराचार्य जी की दशनामी परंपरा के संन्यासी थे। शिवराम ने इनका शिष्यत्व ग्रहण किया और उन्होंने 1685 में पुष्कर में शिवराम को संन्यास देकर उनको नाम दिया - गणपति सरस्वती। गुरु के सानिध्य में 10 वर्ष साधना कर वे रामेश्वरम, पोरबंदर, नेपाल, प्रयागराज आदि स्थानों का भ्रमण करते हुए लोक-कल्याण के लिए करुणावश अनेक चमत्कार करते रहे। लंबे समय तक तैलंग स्वामी काशी में मां गंगा के किनारे रहे। कुछ लोग उनकी परीक्षा लेने के लिए भी आते थे और तैलंग स्वामी उनके अभिमान को नष्ट कर देते थे।

## 5को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा, मतदान केंद्रों पर बीएलओ करेंगे चुनावी पाठशाला

भोपाल। प्रदेश में 5 जनवरी 2023 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त मतदान केंद्रों पर चुनावी पाठशाला होगी, जिसमें बीएलओ मतदाता सूची का वाचन करेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 9 नवंबर 2022 से 8 दिसंबर 2022 तक मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और परिवर्तन के लिए आवेदन लिए गए थे। गत 26 दिसंबर 2022 को प्राप्त हुए आवेदनों का निराकरण किया गया। अब 5 जनवरी 2023 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इस दौरान सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर चुनावी पाठशाला कर मतदाता सूची का वाचन करेंगे। जोड़े गए नए नाम, संशोधित नाम और हटाए गए मतदाताओं के नामों की जानकारी देंगे। श्री राजन ने बताया कि मतदाता सूची के प्रकाशन को लेकर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सभी विधानसभा क्षेत्रों, तहसीलों, गाँवों, वार्डों और मोहल्लों में प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

# पोस्टर लगना शुरू हो गए हैं, इसका मतलब क्या: सक्सेना

**भोपाल।** मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय संयोजक एमके सक्सेना का कहना है कि 2023-24 में मप्र एवं केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी,चुनाव पूर्व ही,कमलनाथ को मप्र का भावी मुख्यमंत्री,राहुल गांधी को भारत का भावी प्रधान मंत्री घोषित कर दिया है,जगह-जगह इनके पोस्टर लगना भी शुरू हो गए हैं,राहुल गांधी एवं कमलनाथ का स्पष्ट कहना है कि उनकी कांग्रेस सरकार बनते ही,एक माह के भीतर,जनहित प्रमुख निम्न 18मुद्दों के किरियांवन आदेश जारी कर,जनता को लाभान्वित किया जायगा,क्योंकि मप्र भाजपा शिवराज-सरकार,एवं केंद्र भाजपा मोदी-सरकार,जनहित प्रमुख निम्न 18मुद्दों के क्रियांवन आदेश जारी करने के खिलाफ है और भाजपा शासन काल में इनके क्रियांवन आदेश कभी जारी नहीं होंगे,जनता,दोनों भाजपा सरकारों से,नाराज है,ऐसे में मप्र एवं केंद्र में कांग्रेस को,सत्ता में आने से कोई कैसे रोक सकता है,विदित है जनहित प्रमुख 18 मुद्दों के क्रियांवनआदेश जारी नहीं किए जाने एवं जनता की नाराजगी से 2018 के विधानसभा चुनाव में मप्र भाजपा शिवराज-सरकार,सत्ता से बाहर हो गई थी और इस बार 2023 के विधानसभा चुनाव में फिर मप्र भाजपा की वैसी ही स्थिति दिखती है,वोट जनहित प्रमुख 18 मुद्दों के क्रियांवन से मिलते हैं। इकास-विकास से नहीं,भाजपा को इसे समझना चाहिए,अन्यथा 2018 की तरह 2023-24 में मप्र,केंद्र,की सत्ता से,भाजपा,फिर धोका खा सकती है,अर्थात सत्ता से बाहर हो सकती है,क्योंकि जनहित प्रमुख 18मुद्दों के किरियांवन के अभाव मैं,जनता,मप्र भाजपा शिवराज-सरकार एवं केंद्र भाजपा मोदी-सरकार,दोनों से,परेशान है,दुखी है,नाराज है,आक्रोशित है,ऐसे में देखना होगा,2023-24 में मप्र एवं केंद्र में भाजपा,कांग्रेस से,किसकी सरकार बनती है,सवालिया प्रश्न लगा है?

# साहित्य सामाजिक-राजनैतिक परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करता है: राज्यपाल

**राज्यपाल दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय के रजत जयन्ती के समापन समारोह में हुए शामिल**

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है, साहित्य सामाजिक-राजनैतिक परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करता है। साहित्यकार अपने जीवन में जहाँ साहित्य की सेवा में लगा रहता हैं वहीं, संग्रहालय साहित्यकारों की स्मृति को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रेरणा स्त्रोत होता है। राज्यपाल पटेल दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय के रजत जयन्ती के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामनरेश त्रिपाठी, राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त और ऐसे अनगिनत साहित्यकारों को पढ़कर हम बड़े हुए हैं, जिन्होंने हिन्दी को अपनी कृतियों से समृद्ध किया है। साहित्यकारों की पाण्डुलिपियाँ और धरोहर को सहेजने का प्रशंसनीय कार्य इस संग्रहालय में किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जब भी हम अपने चिर-परिचित लेखकों, कवियों की हस्तलिपि को देखते हैं तो हमारा मन आनंदित हो जाता है। समारोह में संग्रहालय के निदेशक राजुरकर राज, अध्यक्ष रामराव वामनकर एवं पूर्व अध्यक्ष श्रीमती ममता तिवारी सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद थे।



## नये वर्ष में प्रकृति को संवारने का संकल्प लें

भोपाल। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने नव वर्ष पर सभी नागरिकों को बधाई एवं एवं शुभकामनाएँ दी हैं। डॉ. शाह ने कहा कि नया वर्ष मध्यप्रदेश और देश के भविष्य के नव निर्माण के लिए आशाओं से भरपूर होगा। खुशियों और समृद्धि के नए अवसर नागरिकों को उपलब्ध होंगे। डॉ. शाह ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे नए साल में प्रकृति को बचाने और संवारने और प्रदेश में जैव विविधता की समृद्धि को बचाने का संकल्प ले और हरियाली की रक्षा करें। डॉ. शाह ने कहा कि वन प्रबंधन एवं वन्य-जीव संरक्षण में प्रदेश में अभूतपूर्व काम हुआ है। पूरे विश्व में प्रदेश को वन्य-जीव प्रबंधन के लिए सराहना मिली है।

## कर राजस्व आधार में होगा विस्तार

भोपाल। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने नव वर्ष पर नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों की समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। देवड़ा ने बधाई संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने अनूठी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मध्यप्रदेश में आत्म-निर्भर बनने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए एमएसएमई सेक्टर को भरपूर बढ़ावा दिया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि बेहतर वित्तीय प्रबंधन, नीतियों और सुशासन से विकास योजनाओं के लिए बजट की कमी नहीं हुई। किसी प्रकार की वित्तीय बाधा नहीं आई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का कर राजस्व आधार मजबूत हुआ है। नए साल में इसका विस्तार होगा। श्री देवड़ा ने कहा कि नए साल में प्रदेश के अधो-संरचनात्मक ढाँचे को और ज्यादा मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे विकास की गति में और तेजी आएगी।

## मातृ वन्दना योजना का लाभ लेने की अपील

भोपाल। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं को मजदूरी के नुकसान की भरपाई करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई है। मातृत्व वंदना योजना में मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने की वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार और उनकों नगदी प्रोत्साहन के माध्यम से अधीन पोषण के प्रभाव को कम करना है।प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पहले जीवित बच्चें के जन्म के दौरान लाभ मिलेगा होगा। योजना के लाभ की राशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है। योजना में गर्भवती महिलाओं को पहली किस्त के रूप में एक हजार रूपए पंजीकरण के समय दी जाती है। दूसरी किस्त दो हजार रूपए 6 माह की गर्भवास्था के बाद और तीसरी किस्त बच्चे का जन्म के बाद इस प्रकार कुल 5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता गर्भवती महिलाओं को दी जाती है। बच्चें को बीसीजी, ओपीवी, डीपीटी और हेपेटाइटिस-बी सहित टीके नि:शुल्क लगाए जाते हैं।

# स म्पा द की य

## न्यायपालिका के लिए स्वतंत्रता जरूरी

लोकतंत्र में न्यायपालिका को सर्वोच्च माना गया है, और इसीलिए इसकी स्वतंत्रता को लेकर लगातार बहस होती रहती है। चूंकि लोकतंत्र की सेहत के लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है और इसीलिए माना जाता है कि इसके लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति की एक विश्वसनीय और निष्पक्ष प्रणाली हो। लोकतंत्र के पक्षधर मानते हैं कि एक ऐसी न्यायपालिका को बढ़ावा देना चाहिए, जो व्यक्तिगत और प्रणालीगत स्तर पर सरकार की अन्य शाखाओं से स्वतंत्र हो। ऐसी प्रणाली राजनीतिक विचारधारा और जनता के दबाव से मुक्त होना चाहिए।

विधि विशेषज्ञों की दृष्टि में न्यायपालिका और केंद्रीय कानून मंत्री के बीच हाल ही में जो आरोप-प्रत्यारोप या बयानों का आदान-प्रदान हुआ, वो संविधान के अनुच्छेद 124(2) और 217(1) की व्याख्या को लेकर केंद्र और न्यायपालिका के बीच टकराव कहा जा सकता है। अनुच्छेद 124(2) इस बात पर प्रकाश डालता है कि सर्वोच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के ऐसे न्यायाधीशों, विशेष रूप से मुख्य न्यायाधीश और राज्यों के उच्च न्यायालयों के परामर्श के बाद की जाएगी। इसी तरह उच्च न्यायालयों के लिए अनुच्छेद 217(1) इस बात पर प्रकाश डालता है कि उच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को भारत के मुख्य न्यायाधीश, राज्य के राज्यपाल और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

देखा जाए तो अनेक मामलों में न्यायिक व्याख्या ने न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांत को और साफ किया और न्यायाधीशों की सिफारिश के लिए एक कॉलेजियम प्रणाली पर जोर दिया। वर्तमान में केंद्र कॉलेजियम प्रणाली द्वारा की गई सिफारिशों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है, जबकि यदि कोई सिफारिश दोहराई जाती है तो सरकार उसे मानने को बाध्य थी। हाल में यह आम सहमति गतिरोध में बदल गई। केंद्र ने कॉलेजियम द्वारा दोहराई सिफारिशों को रोक दिया। 22 नवम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे न्यायाधीशों के मामले में तय समयसीमा का पालन नहीं करने के लिए सरकार की खिंचाई की। कानून व कार्मिक संबंधी स्थायी संसदीय समिति ने भी न्याय विभाग से असहमति उजागर की है कि रिक्तियों को भरने का समय नहीं बताया जा सकता है।

स्वतंत्र न्यायपालिका और केंद्र के बीच इस ऐतिहासिक टकराव का असर भारत की न्यायिक प्रणाली में गिरावट के रूप में लिया जा रहा है। अगस्त 2022 में उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के 1,108 में से लगभग 381 रिक्त थे। निचली अदालतों में 24,631 में से तकरीबन 5,342 सीटें खाली थीं, जो इसकी क्षमता का 20 प्रतिशत हैं। अदालतों में अगस्त 2022 तक लगभग चार करोड़ मामले लंबित हैं। यही नहीं, न्यायिक सुधार की प्रक्रिया भी लम्बे समय से चल रही है, किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। इस बीच केंद्र सरकार ने कई पुराने कानूनों को खत्म कर दिया, वहीं कुछ नए कानून बनाए भी हैं। लेकिन उन्हें लेकर भी बहस चल रही है।

दुनिया के अन्य देशों की बात करें तो कुछ देशों में राजनीतिक संस्थानों द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है। इटली में संवैधानिक न्यायालय में नियुक्तियां राष्ट्रपति, विधायिका और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जाती हैं। वहां प्रत्येक इकाई को पांच न्यायाधीशों को नामित करने की अनुमति है। अमेरिका में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाता है और फिर बहुमत से सीनेट द्वारा अनुमोदित किया जाता है। जर्मन में संवैधानिक न्यायालय की नियुक्ति संसद द्वारा की जाती है। हमारे यहां अलग प्रक्रिया है।

कई जगह न्यायिक चुनावों का उपयोग न्यायपालिका की जवाबदेही बढ़ाने के लिए भी किया गया है। अमेरिका में स्टेट सुप्रीम कोर्ट में न्यायिक नियुक्तियों के लिए राज्य चुनावों का उपयोग कर रहे हैं। पर, यह न्यायाधीशों को लोकलुभावन फैसले देने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है और न्याय व्यवस्था को विशेष रुचि समूह अपने प्रभाव में ले सकते हैं। खासतौर पर गठबंधन सरकार वाले किसी लोकतंत्र के लिए यह उचित नहीं है। अन्य देशों ने न्यायिक परिषदों के साथ प्रयोग किया है। इराक में न्यायाधीश एक न्यायिक संस्थान के स्नातक हैं। वहां आवेदकों को परीक्षा से गुजरना पड़ता है। अमेरिका में राज्यपाल योग्यता आयोग द्वारा प्रदान की गई सिफारिशों के आधार पर राज्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं।

भारत की बात करें तो हाल ही में केंद्र ने न्यायिक नियुक्तियों को न्यायिक आयोग के माध्यम से संचालित करने पर जोर दिया है। गौरतलब है कि 16 अक्टूबर 2015 को सुप्रीम कोर्ट ने एनजेएसी अधिनियम (2014) को 4-1 के बहुमत से रद्द कर दिया। यह रेखांकित किया गया कि यह कॉलेजियम प्रणाली में अधिक पारदर्शिता के लिए खुला है। इस बात पर बहस की पूरी गुंजाइश है कि क्या न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक सशक्त सचिवालय की आवश्यकता है? केंद्रीय कानून मंत्री द्वारा दिए जा रहे बयानों को न्यायपालिका में उचित नहीं माना जा रहा है। कालेजियम व्यवस्था लंबे समय से चल रही है। माना जा रहा है कि यदि सरकार का हस्तक्षेप नियुक्तियों में अधिक हुआ तो कहीं यह लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह साबित न हो। फिर भी, बहस की गुंजाइश है, इस पर बहस हो सकती है। बशर्ते उचित मंचों पर हो। और सही लोग बहस करें। एकतरफा निर्णय नहीं लिया जाए, तो ही उचित होगा।

Vallabh Bhawan Corridors 2 Central Vista

# कौन कटेगा और कौन बचेगा, पता बाद में चलेगा

**सुरेश तिवारी**

मध्य प्रदेश के अगले विधानसभा चुनाव में किस विधायक को टिकट मिलेगा और किसका टिकट कटेगा ये अभी तय नहीं है। ये स्थिति दोनों ही पार्टियों में साफ़ नहीं है। भाजपा ने तो एक तरह से घोषित ही कर दिया कि उसके सर्वे में जो विधायक लोग जीतने लायक पाए जाएंगे, उन्हें ही टिकट दिया जाएगा। जबकि, कांग्रेस में अजीब सी स्थिति है। सर्वे होने की भी खबर है और सर्वे का खंडन भी किया जा रहा है। कमलनाथ ऐसे किसी सर्वे से इंकार कर रहे हैं, जबकि संगठन के ही एक जिम्मेदार प्रभारी ऐसे सवालों पर प्रतिक्रिया भी देते दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा के विधायकों के टिकट ज्यादा कटते दिखाई दे रहे हैं।

समझा जा रहा है कि पार्टी के करीब सवा सौ विधायकों में से कम से कम 60 से ज्यादा का पत्ता काट दिया जाएगा। यानी करीब आधे चुनाव लड़ने से वंचित कर दिए जाएंगे। इसमें से कुछ विधायकों को उनकी उम्र की वजह से चुनाव से अलग रखा जाएगा। कुछ को नाते-रिश्तेदारों की वजह से बाहर करेंगे! लेकिन, ज्यादातर विधायक उनके पुअर परफारमेंस की वजह से चुनाव से वंचित होंगे। ये विधायक कौन होंगे अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन, बताते हैं कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने उनसे बात करना भी शुरू कर दिया है।

बताते हैं कि भाजपा चुनाव से पहले एक सर्वे और करेगी, जिसमें देखा जाएगा कि उनकी स्थिति सुधरी है या नहीं! पर, यह तय है कि इस बार के चुनाव हमेशा के चुनाव से अलग होंगे। सिर्फ सिफारिश या मेरा आदमी-तेरा आदमी की योग्यता से भाजपा शायद टिकट नहीं देगी। जिसे टिकट नहीं मिलेंगे तो उसके जीतने की कूबत पर ही। वास्तव में यह फार्मूला भाजपा ने गुजरात से निकाला है। वहां भी कई विधायकों के टिकट काट दिए गए थे, फिर भी भाजपा ने आसानी से बहुमत पा लिया। अब देखना है कि यहां गुजरात का फार्मूला कितना फिट बैठता है।

**इंदौर के महापौर अकेले क्यों पड़ गए!**

इंदौर के भाजपा महापौर पुष्यमित्र भार्गव इन दिनों अकेले पड़ते दिखाई दे रहे हैं। चुनाव के समय भी उनके साथ बहुत ज्यादा भीड़ नहीं थी और अब चुनाव जीतने के बाद करीब 3 महीने बाद भी उनके साथ बड़े नेता दिखाई नहीं दे रहे। वे अकेले ही किला लड़ा रहे हैं। अंदर की खबरें हैं कि नगर निगम के अफसर भी उनको तवज्जो नहीं दे रहे। पुष्यमित्र भार्गव खुद नेता नहीं है, इसलिए वे नेताओं के इस व्यवहार को शायद वे समझ नहीं पा रहे। वे भले स्वीकार न करें, पर ऐसा दिखाई भी दे रहा है और ऐसा समझा भी जा रहा है।

वे खुद नेता नहीं है, इसलिए उनके सलाहकार भी नेता नहीं हैं। उनको सलाह देने वाले भी उनके साथ के वकील ही हैं, जिनका राजनीति से कोई वास्ता नहीं। आज की तारीख में उनके समर्थक भाजपा नेताओं में सिर्फ कैलाश विजयवर्गीय और रमेश मेंदोला को देखा जा रहा है। इसके अलावा भाजपा के दूसरे नेता और विधायक महापौर से कन्नी काटते ही दिखाई दे रहे हैं।

इसका नतीजा यह हुआ कि महापौर भी उनके अपने इलाके क्षेत्र क्रमांक-चार तक सीमित होकर रह गए। उनके सारे अभियान की गतिविधियां फूटी कोठी से महू नाका तक केंद्रित हो गईं। ऐसी स्थिति में आने वाले समय में वे कितने सफल होंगे, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन, यह तय है भले वे कितने ही योग्य और बड़े वकील हों, पर वे भविष्य में राजनीति नहीं कर सकेंगे। इसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ सकता है। यहां तक की प्रशासन में भी उनकी कोई पकड़ दिखाई नहीं दे रही। उनकी नगर निगम में भी कोई नहीं सुन रहा। देखा जाए तो इसका एक बड़ा कारण उन्हें भाजपा के जिस गुट से टिकट मिला है, वो गुट भी कमजोर पड़ गया।

**ये सरकार के मंत्री हैं या?**

प्रदेश के शिवराज मंत्रिमंडल के एक मंत्री इन दिनों पूरी तरह मजाक का विषय बन गए। ये हैं ग्वालियर के प्रद्युम्न सिंह तोमर जिनके पास ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी है। वे अपने विभाग का काम छोड़कर सब कुछ करते हैं। उनकी पहली चिंता से कैसे भी चुनाव जीतना है। यह स्वाभाविक भी है और सभी विधायक इसी चिंता में डूबे हैं। लेकिन, प्रद्युम्न सिंह तोमर कुछ ज्यादा ही चिंतित हैं। वे जब भी अपने क्षेत्र में आते हैं कुछ न कुछ ऐसा जरूर करते हैं कि वह खबर बने और क्षेत्र के लोगों में यह भावना आए कि हमारे विधायक ही हमारे बारे में सोचते हैं, सरकार कुछ नहीं करती!

कभी वे सड़क बनाने की मांग पर चप्पल छोड़ देते हैं। कभी वे टेंट में बैठकर रात बिताते हैं, तो कभी कार से उतरकर वॉलीबाल खेलने लगते हैं। इस तरह की हरकतों से लगता है कि उनका पूरा ध्यान क्षेत्र के लोगों से सामंजस्य बैठाकर चुनाव जीतने का है। लेकिन, इस बार उन्होंने जो किया वो अतिशयोक्ति ही है। वे अपनी हरकतों की सारी सीमाएं लांघ गए।

उन्होंने रास्ते चलते एक घर से खाना मांगा और वहीं बाहर बैठकर खाने लगे। यह किसी मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अस्वाभाविक सी घटनाएं है। वे चाहते तो सम्मान से किसी के घर में जाकर भी खाना खा सकते थे। लेकिन, उन्होंने जो किया वह एक तरह से यह दिखावा था। वे सहजता से कुछ नहीं करते। प्रद्युम्नसिंह तोमर ये नहीं सोचते कि उनकी ऐसी हरकतों का दूसरा पक्ष भी है। यही पक्ष अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। लोगों को लगने लगा है कि उनके ये सारे हथकंडे चुनाव जीतने तक सीमित है।

वे सिंधिया के राजनीतिक शागिर्द माने जाते हैं और उनके साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उपचुनाव हुआ तब एक कांग्रेसी नेता से चुनाव प्रचार के लिए मिन्नतें करने वाला उनका वीडियो जमकर वायरल हुआ था। तभी वे लोगों की आंखों में भी आए थे। लेकिन, उसके बाद उन्होंने जो कुछ किया उससे वह घटना भी बहुत पीछे रह गई। अब देखना है कि चुनाव के बाकी बचे 8 महीनों में क्या-क्या करते हैं।

**जनता के कलेक्टर!**

इंदौर में आए नए कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी इन दिनों जनता के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। उनके आने के बाद लोगों को लगने लगा है कि यदि हमने उनको अपनी समस्या बता दी, तो वे उसका हल भी निकाल लेंगे और यह हो भी रहा है। हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की भीड़ जिस तरह बढ़ रही है, उससे यह बात साफ हो गई कि नए कलेक्टर जनता की समस्याओं के प्रति बहुत ज्यादा गंभीर है। वे अपने चेंबर के बाहर बैठे लोगों से कभी भी, किसी भी समय बात करने बाहर आ जाते हैं। उनकी समस्याएं सुनते हैं और उनका वहीं निराकरण भी करते हैं।

उनका समस्याएं सुनना खानापूरी तक सीमित नहीं होता! यही कारण है कि वे लोगों में जनता के कलेक्टर की तरह लोकप्रिय हो रहे हैं। हाल ही में एक वृद्ध महिला से बात करते हुए उनका वीडियो काफी वायरल हुआ, वे किसी से फोन पर बात करते सुनाई दे रहे आप इनका ( वृद्ध महिला का) पूरा चेकअप कीजिए, इनको योजनाओं से दवाइयों की व्यवस्था कीजिए, इनका ठीक से इलाज कीजिए। यदि दवाइयों के पैसे लगे तो आप मेरे से लीजिए उसमें कोई प्रॉब्लम नहीं है।

यह किसी एक व्यक्ति बात नहीं है। इस तरह के काम वे रोज कर रहे हैं और इसीलिए पसंद भी किए जा रहे! लेकिन, उन्होंने इंदौर आकर एक सबसे बड़ा काम यह किया कि इंदौर के नेताओं को मंच से उतार दिया। इससे पहले इंदौर के सारे थके-चुके और हरल्ले नेता प्रशासन के अधिकारियों के साथ सरकारी कार्यक्रमों में मंच पर बैठे दिखाई देते थे। अब इन सारे नेताओं की छंटनी हो गई। यह स्वाभाविक भी है। क्योंकि, जिन्हें जनता ने नकार दिया, वे सरकारी मंच पर किस हैसियत से बैठते थे। नए कलेक्टर ने सभी को मंच से उतारने के साथ जनता की समस्याओं के साथ संबंध जोड़ लिया, जो उनकी लोकप्रियता के साथ सरकार की योजनाओं के लिए सकारात्मक पहल है।

**इस माह सीएस वेतनमान में ये आईएएस होंगे पदोन्नत**

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी केसी गुप्ता 1 फरवरी 2023 को अपर मुख्य सचिव की कुर्सी पर बैठे नजर आएंगे। वे वर्तमान में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग हैं। वे इसी माह मुख्य सचिव वेतनमान में पदोन्नत होंगे। महिलाओं को लेकर दिए गए अपने बयानों को लेकर चर्चित अपर मुख्य सचिव अशोक शाह इसी माह रिटायर हो रहे हैं। वे 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उनके रिटायरमेंट के बाद रिक्त हुए पद पर केसी गुप्ता की ताजपोशी होगी।

**भाग्यशाली आईपीएस अधिकारी**

मध्य प्रदेश काडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी एस एल थाऊसन एक भाग्यशाली पुलिस अधिकारी हैं। देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक पुलिस बल सीआरपीएफ के मुखिया थाऊसन को दूसरे बड़े पुलिस बल बीएसएफ के डीजी का अतिरिक्त चार्ज भी दे दिया गया है। वे डेढ़ साल पहले तक इसी बल के विशेष महानिदेशक थे। थाऊसन इसके पहले सीमा सुरक्षा बल (एस एस बी) तथा आई टी बी पी के महानिदेशक भी रह चुके हैं।?

**जेएस पोस्टिंग: आईएएस की तुलना में अन्य सेवाओं के अधिकारियों की संख्या ज्यादा**

बीते साल के अंतिम सप्ताह में केंद्र सरकार ने 19 संयुक्त सचिवों की पदस्थापना के आदेश जारी कर दिए। खास बात यह है कि इस आदेश में आईएएस अधिकारियों की तुलना में अन्य केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों की संख्या ज्यादा है। कुछ को तो शिक्षा, परिवहन और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग मिले हैं।

**सीएस का लगातार दूसरा एक्सटेंशन!**

सत्ता के गलियारों में इस बात की चर्चा तो थी कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को दूसरा सेवा विस्तार मिलना लगभग तय माना जा रहा था। लेकिन दूसरा विस्तार भी एक साल का मिलेगा, इसे लेकर आश्चर्य है। मिश्रा 1984 बैच के आईएएस अधिकारी है। 2021 में 31 दिसंबर को रिटायर होने के एक हफ्ते पहले ही उन्हें एक साल का सेवा विस्तार देकर उ प्र का मुख्य सचिव बना दिया गया। वे केंद्रीय शहरी विकास और आवास मंत्रालय के चार साल से अधिक समय तक सचिव थे।

# भारत जोड़ोः खाली झुनझुना

**डॉ. वेदप्रताप वैदिक**

परसों मैंने लिखा था कि राहुल गांधी के पास यदि भाजपा का कोई वैकल्पिक राजनीतिक दर्शन होता तो देश के समस्त विरोधी दलों को एक सूत्र में बांधा जा सकता था। मुझे खुशी है कि आज राहुल गांधी ने इसी बात को दोहराया है। उन्होंने अपनी भारत-यात्रा के दौरान अपनी नौंवी पत्रकार परिषद में कहा है कि भाजपा को हराने के लिए विरोधी दलों के पास कोई अपनी दृष्टि होनी चाहिए। राहुल को शायद पता नहीं है कि हमारे देश के सभी विरोधी दलों के पास जबर्दस्त दृष्टि है। हर दल के पास दो-दो नहीं, चार-चार आंखें हैं। इन चारों आंखों से वे चारों तरफ देखते हैं और उन्हें बस एक ही चीज़ दिखाई पड़ती है। वह है- सत्ता, कुर्सी, गद्दी! इ

सके अलावा सभी दल खाली-खट हैं। उनके पास सिद्धांत, विचारधारा, नीति, कार्यक्रम के नाम पर खाली झुनझुना होता है। उसे वे बजाते रहते हैं। उनके पास जाति, मजहब, संप्रदाय, भाषा, प्रांतवाद आदि की सारंगियां होती हैं। चुनाव के दिनों में वे इन झुनझुनों और सारंगियों के जरिए अपनी नय्या पार लगाने में जुटे रहते हैं। और यदि वे सत्ता में हों तो वे रेवड़ियों का अंबार लगा देते हैं। किसी नेता या पार्टी के पास भारत की गरीबी और असमानता को दूर करने का कोई नक्शा नहीं होता, उन्हें पता ही नहीं है कि भारत को संपन्न और शक्तिशाली बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाने चाहिए और सभी दल सत्तारुढ़ होने के लिए नोट और वोट का झांझ पीटते रहते हैं। सत्तारुढ़ होने पर वे नौकरशाहों की नौकरी करने लगते हैं।

भारत में सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी ऐसी है, जिसके कुछ नेता पढ़े-लिखे और विचारशील हैं लेकिन यह पार्टी भी मलयाली उप-राष्ट्रवाद (केरल) की बेड़ियों में जकड़ी हुई है। कांग्रेस एक मात्र विरोधी पार्टी है, जिसके सदस्य आज भी देश के हर जिले में मौजूद हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि उसके पास न कोई नेता है और न ही नीति है। लगभग 10-12 वर्ष पहले राहुल गांधी में कुछ संभावना दिखाई पड़ रही थी लेकिन इतना लंबा वक्त बापकमाई और अम्माकमाई को जीमने में गुजर गया। अब जबकि कांग्रेस 'वेंटिलेटर' पर आ गई है, राहुल ने राजनीति का क,ख,ग सीखने की कोशिश की है। लेकिन विरोधी दलों के नेता तीन-चार माह के इस नौसिखिए राजनीतिक शिशु को अपना गुरु कैसे धारण कर लेंगे?

अखिलेश यादव और मायावती ने भारत-जोड़ो यात्रा में जुड़ने से मना कर दिया है। भला, नीतीश, सीताराम येचूरी, ममता बेनर्जी, कुमारस्वामी, पटनायक जैसे वरिष्ठ नेता कैसे जुड़ेंगे? यदि जुड़ भी गए तो इनका गठबंधन कैसे बनेगा? और बन भी गया तो वह चलेगा कितने दिन? बस, यदि कांग्रेस ही जुड़ी रहे और टूटे नहीं तो हम मान लेंगे कि यह भारत जोड़ो-यात्रा सफल रही।

# राजनीति में भ्रष्टाचार, क्या 2023 में हो सकता है सुधार?

**सरयूसुत मिश्र**

जिस कोने पर नजर दौड़ाई जाए हर तरफ भ्रष्टाचार के आरोप हैं। भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं। भ्रष्टाचार और घोटालों पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ऐसा आभास देते हैं कि जैसे भ्रष्टाचार के अलावा कुछ भी वास्तव में हो ही नहीं रहा है। यदि भ्रष्टाचार की बात होती है तो ये विवाद चालू हो जाता है कि राजनीति में ज्यादा भ्रष्टाचारहै या ब्यूरोक्रेसी में?

लोकतंत्र में राजनीति शासन प्रणाली का लीडर है। ब्यूरोक्रेसी का संचालन, नियंत्रण राजनीति का दायित्व है। जहां भी ईमानदार राजनेता राजनीति का नेतृत्व करते हैं वहां भ्रष्टाचार के मामले अपने आप नियंत्रित हो जाते हैं। भारत सरकार के स्तर पर भ्रष्टाचार मुक्त गवर्नेंस का वर्तमान मॉडल ईमानदार लीडर का ही परिणाम माना जाता है। राजनीति की वर्णमाला एक ही है। यह लीडर पर निर्भर करता है कि उसी वर्णमाला से गीत निर्मित कर ले या गाली।

राजनीति के अनुभव व्यक्तियों के हिसाब से बदल जाते हैं। नरेंद्र मोदी ने देश में भ्रष्टाचार मुक्त शासन का विश्वास पैदा करने में सफलता प्राप्त की है। भारत में 33 करोड़ देवी-देवता की मान्यता है। राजनीति में जनप्रतिनिधि देवताओं की भी कमी नहीं है। देवता इसलिए कहना उचित है क्योंकि पंच को परमेश्वर माना जाता है। राजनीति क्षेत्र में भ्रष्टाचार की बढ़ती घटनाओं ने राजनीतिक व्यवस्था पर लोगों के विश्वास को कम किया है।

पश्चिम बंगाल में पूर्व मंत्री के संरक्षण में 50 करोड़ से ज्यादा की नकदी जांच में निकलना राजनीतिक भ्रष्टाचार के चेहरे को उजागर करती है। विभिन्न राज्यों में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होना भी भ्रष्टाचार का ही बायप्रोडक्ट माना जाता है। अभी राजस्थान में शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो गया जिससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य अधर में अटक गया है। ऐसे मामले कई राज्यों में आ चुके हैं। पश्चिम बंगाल का मामला भी भर्ती घोटाले से ही जुड़ा हुआ है।

हमेशा यह विवाद की स्थिति होती है कि राजनीति में ज्यादा भ्रष्टाचार है या ब्यूरोक्रेसी में? नियंत्रण चूँकि राजनीति के पास होता है, इसलिए ब्यूरोक्रेसी का भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी भी राजनीति पर ही होती है तो भ्रष्टाचार की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदारी भी राजनीतिक क्षेत्र पर ही रहेगी।

राजनीतिक भ्रष्टाचार में केवल रिश्वत प्राप्त करना ही नहीं होता। पद,संसाधन और अधिकारों का दुरुपयोग भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही माना जाता है। शासक किसी भी लाभ के नजरिए से बिना विधिवत प्रक्रिया के कोई भी फैसला करता है तो वह भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही माना जाता है। सिस्टम में समय पर और प्रक्रिया अनुसार किसी को भी मिलने वाले लाभ को किन्ही कारणों से रोका जाना भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इसके उलट किसी लाभ के लिए किसी को उपकृत करना भी इसी श्रेणी में माना जाएगा।

इमेज बिल्डिंग के लिए संसाधनों का दुरुपयोग भी भ्रष्टाचार ही है। राजनीति में बढ़ रहा परिवारवाद भी भ्रष्टाचार की जड़ है। मित्रवाद और चाटुकारितावाद को भी भ्रष्टाचार से अलग नहीं देखा जा सकता। रेवड़ी संस्कृति को भी लोकतंत्र के साथ भ्रष्टाचार के रूप में ही देखना ज्यादा उपयुक्त होगा। पहले के जमाने में रॉबिनहुडी पॉलिटिक्स होती थी कि अमीरों से छीनों और गरीबों में बांटों।

आज लोकतांत्रिक सिस्टम में भी इसको बहुत ज्यादा बढ़ावा मिल रहा है। सरकारी संसाधनों और जन धन से स्वयं या दल के लाभ के लिए कोई भी प्रयास भ्रष्टाचार से अलग नहीं हो सकता। राजनीति में पेंशन और भत्ते, कार्य संचालन के लिए आवश्यक माने जाते हैं लेकिन पद और अधिकारों का दुरुपयोग राजनीति की आम समस्या बन गया है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार पक्ष और विपक्ष का विषय नहीं है। यह लोकतंत्र की रक्षा और देश की सुरक्षा का विषय है। केवल आरोप-प्रत्यारोप से किसी भी सुधार की संभावना नहीं हो सकती। पिछले साल को अगर भ्रष्टाचार के नजरिए से देखें तो बहुत सारी घटनाएं हमारे सामने हैं। झारखंड के आईएएस अफसर को करोड़ों रुपए की नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया है। छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री की उप सचिव को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

राज्य सरकारों द्वारा दूसरे राज्यों में अपनी उपलब्धियों का जन-धन से प्रचार भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में माना जाएगा। दिल्ली में तो राज्य सरकार से विज्ञापन की राशि वसूली का आदेश उपराज्यपाल द्वारा दिया गया है। पहले क्या कभी कल्पना की जा सकती थी कि किसी भी निर्वाचित सरकार को इस बात के लिए कटघरे में खड़ा किया जाएगा कि सरकारी धन से उसके द्वारा दिए गए विज्ञापन पार्टी को लाभ पहुंचाने के लिए हैं। दिल्ली का यह उदाहरण कमोबेश हर राज्य में देखा जा सकता है।

भाषा, शब्द और भाषण राजनीति की सफलता की कुंजी बन गई है। मीडिया तो भाषा और शब्दों के के ही इंद्रधनुष बनाता है। हर दिन नए-नए इंद्रधनुष जनता को परोसे जाते हैं। उनकी सच्चाई पकड़ में नहीं आती। जैसे इंद्रधनुष पकड़ में नहीं आता वैसे ही भाषा शब्द और भाषणों की सच्चाई कभी पकड़ में नहीं आती। हर बार में नए-नए भाषण शोधार्थियों को भी ठगने के लिए पर्याप्त होते हैं। पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक राष्ट्रों में भ्रष्टाचार एक कैंसर की तरह घुस चुका है। भारत भी उससे अछूता नहीं है। सबसे अधिक दुर्भाग्यजनक और चिंता की बात की बात यह है कि जनता को भाषणों पर ही विश्वास करना पड़ता है।

जहां तक 2023 में राजनीतिक भ्रष्टाचार में सुधार की संभावना का सवाल है तो कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसलिए चुनावी साल में तो राजनीतिक दलों को ज्यादा पैसे की जरूरत होती है। जब भी चुनाव होते हैं चुनाव आयोग की ओर से तैनात अमले द्वारा करोड़ों रुपए की नगदी पकड़ी जाती है। चुनाव के बाद यह पता नहीं चलता कि उस नगदी का क्या हुआ? उन लोगों का क्या हुआ जिनके यहां वह पकड़ी गई थी?

धन और पद की दौड़ किसी को भी मंजिल पर नहीं पहुंचाती। मृत्यु के साथ सब कुछ समाप्त हो जाता है। पूरे जीवन की दौड़ हाथ से छूट जाती है फिर भी जीवन का यह आश्चर्य खत्म ही नहीं होता। सिस्टम का अहंकार भी भ्रष्टाचार का एक स्वरूप माना जाएगा। कोई भी भूमिका उस सिस्टम का नतीजा है और वह सिस्टम जो भी कर रहा है वह भी सिस्टम का नतीजा है। उसे करने में 'मैं' का भाव अहंकार की पराकाष्ठा है। अहंकार ही जीवन का अंधकार है। पूरा सिस्टम एक दूसरे के अहंकार का श्रृंगार करने में ही व्यस्त दिखाई पड़ता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

## मानव वेलफेयर सोसाइटी का वस्त्र एवं भोजन वितरण संपन्न

शिवपुरी - मानव वेलफेयर सोसाइटी के सम्मानीय सदस्यों के द्वारा आज नव वर्ष पर अपना घर महिला आश्रम पर 26 महिलाओं को नाश्ता का वितरण किया गया एवं नैपकिन भेंट की गई साथ ही अपना घर आश्रम बड़ोदी पर 92 प्रभु जी लोगों को खीर पूड़ी सब्जी सेव गजक का भोजन कराया गया साथ ही नैपकिन का वितरण किया गया। इसके बाद बड़ौदी शहराना सेसई सेहराना एवं बड़ागांव शहराना तीनों जगह कंबल महिलाओं एवं बच्चों को शॉल जरकिन स्वेटर टोपे बच्चों के गर्म बाबा सूट पजामी एवं ठंडे वस्त्र साथ ही वृद्धजन एवं बच्चों व महिलाओं को चप्पल का वितरण किया एवं बिस्किट एवं चिप्स के पैकेट खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही सेसई गौशाला पर गायों को चारा डाला गया। कार्यक्रम में संजय शर्मा, शैलेंद्र नाथ सक्सेना संयोजक, मुकेश जैन कोषाध्यक्ष ,सतीश शर्मा संरक्षक, राजेश ठाकुर, राजीव भाटिया, योगेंद्र सिंह तोमर डब्बू भाई, रामेश्वर राठौड़ ,संतोष शिवहरे ,कमल गुप्ता ,सौरभ गौर ,हरिओम गोयल, बालवीर ओझा सहित समिति के कई सदस्य मौजूद थे।

## राजकुमार बने व्यापारी संघ अध्यक्ष

नर्बदापुरम विगत दिवस हिंगलाज देवी परिसर में व्यापारी महासंघ का पुनर्गठन किया गया।जिसमें सर्वसम्मति से किराना व्यापारी संघ के संरक्षक राजकुमार खंडेलवाल को महासंघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी व्यापारी संघों की सहमति से सर्वसम्मति से श्री खंडेलवाल को अध्यक्ष बनने पर सभी व्यापारी साथियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी इस अवसर पर मनोहर किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र चौक से बढ़ानी किशोर करैया राम नवलानी विजय अग्रवाल अशोक शर्मा टेलीकॉम व्यापारी संघ के अध्यक्ष जाकिर खान एवं सभी व्यापारी उपस्थित थे।

## सोनी.बने पत्रकार संघ के अध्यक्ष

नैनपुर पत्रकार संघ की 29 दिसम्बर 2022 को एक बैठक गुरूकृपा रेस्टोरेंट सालीवाडा में रखी गई। बैठक में नगर के वरिष्ठ पत्रकार संरक्षक हरी सिंह ठाकुर, रामकुमार चौरसिया देवेन्द्र मोहन जायसवाल, रवि अवधवाल वर्तमान अध्यक्ष विमलेश सोनी, अनिल जांगड़े, राजेन्द्र ठाकुर, ओम प्रकाश सोनी, श्याम वर्मा, शमीम खान, विकास शुक्ला, गीतेश यादव, दिनेश ठाकुर, कन्हैया चावला, जिनेन्द्र साहू, सतेन्द्र तिवारी,प्रमोद निम्बालकर, शंशाक ओम चौरसिया, विनय नामदेव, राजा विश्वकर्मा, जफर खान,शालु अली, आसिफ कुरेशी, अजय जायसवाल, हिमांशु जायसवाल पत्रकार उपस्थित रहे। बैठक में पत्रकार संघ के अनेक विषय बिन्दुओं पर संगठनात्मक चर्चाएं की गई एंव नियमावली का पालन करने सभी से अपेक्षा जताई गई। बैठक के चलते नैनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष का निर्वाचन पूर्ण कराया गया। समस्त पत्रकार साथियों द्वारा अपना अभिमत व्यक्त करते एक मतेन ओमप्रकाश सोनी को एक वर्षीय कार्यकाल के लिए नैनपुर पत्रकार संघ का अध्यक्ष बनाया गया। सभी ने बधाई प्रेषित किया।

## आपाजी ब्लड ग्रूप के संचालक ने दो माह के बच्चे के लिये किया रक्तदान

छतरपुर। आपाजी ब्लड ग्रुप के रफत खान ने जानकारी दी कि विकाश गुप्ता जिसकी उम्र दो माह थी गंभीर एनीमिया के चलते जिला अस्पताल में इलाजरत था बच्चे का पिता ब्लड देने में असमर्थ था यह जानकारी जब आपाजी ब्लड ग्रुप को मिली तब ग्रूप के संचालक रफत खान बिना विलंब किये जरुरी काम छोड़कर रक्तदान करने पहुँच गये ये उनका 13 वां रक्तदान था उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आज साल का अंतिम दिन है मेरी संस्था प्रायः ही परेशान लोगो की हमेशा मदद करती रहती बस अपने दोस्तों और समाज से यही कहना चाहता हूं कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नही होता है इस नेक कार्य मे सभी बड़ चढकर अपनी सहभागिता दिखाये आपका रक्त किसी की सांसे महफूज कर देता है बच्चे के पिता ने आपाजी ब्लड ग्रुप का आभार व्यक्त किया

## विनय बने संयुक्त श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के जिलाध्यक्ष, पत्रकारों नें दी बधाई

शहडोल। विंध्य के सबसे बड़े पत्रकार संगठन संयुक्त श्रमजीवी पत्रकार महासंघ ने शहडोल जिले में वरिष्ठ पत्रकार विनय शुक्ला को अध्यक्ष नियुक्त किया है। विनय शुक्ला जिले के पत्रकारिता जगत में एक ऐसा नाम है जिन्होनें प्रिंट, इलेक्ट्रानिक के साथ ही सोशल प्लेटफार्म पर सफल पत्रकारिता करते हुये अपनी अलग पहचान दर्ज की है। वर्तमान में दैनिक पीपुल्स समाचार के जिला ब्यूरो व दैनिक भास्कर डिजिटल के स्ट्रिंगर के रुप में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। आपको बता दें कि, विनय शुक्ला की पत्रकारों के बीच एक गहरी पैठ है और सभी वर्ग के पत्रकारों के बीच अपनी सहज व सरल भाषा व सजग पत्रकारिता से उन्होंने अलग पहचान स्थापित की है। विनय हमेशा ही पत्रकार हितैषी मामलों में न सिर्फ प्रथम पंक्ति में खड़े होकर प्रशासन व सत्ता का ध्यानाकर्षण करते रहते हैं, बल्कि एक मिलनसार व समाज के साथ संतुलन बनाकर पत्रकारों के हित में तमाम कार्य करते रहे हैं।

## वाहन चलाते समय हेलमेट का करें उपयोग

शहडोल - जनपद पंचायत सोहागपुर के शासकीय माध्यमिक विद्यालय धुरवार में स्कूली छात्र छात्राओं को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य जागरूकता अभियान चलाया गया। छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों की जानकारी देते हुए पुलिस सूबेदार श्री अभिनव राय ने बताया गया कि जब भी आप ड्राइव करते है, तो किसी से रेस ना लगाए. यह जरूरी नही कि कोई आपसे आगे निकल गया, तो आप भी उससे आगे निकले और यातायात के नियम को तोड़े. अगर आप यातायात के नियम का पालन करते हुये गाड़ी चलाते है, तो यह आपके साथ साथ दूसरों के लिए भी अच्छा होगा. बहुत ज्यादा और लगातार हॉर्न का उपयोग न करें।

विदिशा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव द्वारा आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक नवीन कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में शुरू हुई

### मेला ग्राउंड में लगेगी अदालत रोड पर सड़क किनारे लगने वाली फल एवं सब्जी की दुकानें

छतरपुर। शहर के छत्रसाल चौराहा से अदालत रोड होते हुए बिजावर नाका तक सड़क किनारे लगने वाली फल एवं सब्जी की दुकानो को मेला ग्राउंड में व्यस्थित किया गया। यह दुकानें स्थाई रूप से इसी जगह पर लगाई जाएंगी। इसके लिए नगर पालिका ने चूना डालकर दुकानदारों के लिए जगह निर्धारित कर दी गई है। ज्ञात हो कि, सडक किनारे दुकाने लगने से इस रोड पर आए दिन जाम की स्थिति निर्मित होती थी। जिसको ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया और सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया के निर्देशन में छत्रसाल चौराहा से बिजावर नाका तक अतिक्रमण हटाया गया। इसके बाद मेला ग्राउंड में सब्जी और फल दुकानदारों के लिए हॉकर्स जोन बनाया गया है। नपाध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया ने बताया कि, अभी नगर पालिका के द्वारा सटई रोड कलेक्टर बंगला के पास और मेला ग्राउंड में हॉकर्स जोन बनाए गए है।

## प्रभारी प्रधानाध्यापक को 5 साल की कैद, 30 हजार का जुर्माना

### अतिथि शिक्षक को ज्वाइन कराने के एवज में ली थी रिश्वत

छतरपुर। रिश्वतखोरी के मामलों में कोर्ट के द्वारा लगातार सजाएं दी जा रही हैं। दो दिन पहले ही रिश्वत के एक मामले में पटवारी को सजा सुनाकर जेल भेजा गया था। इसी तरह प्रभारी प्रधानाध्यापक के द्वारा एक अतिथि शिक्षक को ज्वाइन कराने के एवज में दो हजार रूपए की रिश्वत ली गई थी। इस मामले में विशेष न्यायाधीश सुधांशु सिन्हा की अदालत ने रिश्वतखोर प्रभारी प्रधानाध्यापक को 5 साल की कठोर के साथ 30 हजार रूपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। सजा सुनाने के बाद कोर्ट ने प्रभारी प्रधानाध्यापक को जेल भेज दिया है।

एडवोकेट लखन राजपूत ने बताया कि फरियादी लक्ष्मीकांत शर्मा ने 06 जनवरी 2015 को लोकायुक्त पुलिस सागर को इस आशय की शिकायत की थी कि उसे अतिथि शिक्षक के पद पर ज्वाइन कराने के लिए चन्द्रभान सेन सहायक शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय सूरजपुराकलां द्वारा दो हजार रूपए रिश्वत की मांग की जा रही है। फरियादी उसे रंगे हाथों पकड़वाना चाहता है। 7 जनवरी 15 को लोकायुक्त पुलिस ने लक्ष्मीकांत को वाईस रिकॉर्डर देकर सहायक शिक्षक चन्द्रभान सेन की रिश्वत संबंधी बातों को रिकार्ड कराया। 8 जनवरी 15 को ट्रेपदल के साथ लक्ष्मीकांत शर्मा बड़ामलहरा पहुंचा और लक्ष्मीकांत ने रिश्वत की राशि दो हजार रुपए प्रभारी प्रध्यापक को देने के बाद ट्रेप दल को इशारा किया। ट्रेप दल ने प्रभारी प्रधानाध्यापक चन्द्रभान सेन को रंगे हाथों पकड़ लिया और विवेचना के बाद मामला कोर्ट में पेश किया।

भ्रष्टाचार लोकतंत्र और विधि के शासन की नींव को हिला रहा-न्यायाधीश सुधांशु सिंहा

अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक एडीपीओ केके गौतम ने पैरवी करते हुए दलील रखी कि शिक्षक समाज का प्रमुख अंग एवं मार्गदर्शक होता है यदि शिक्षक द्वारा ही भ्रष्टाचार किया जाने लगेगा तो समाज के लिए बहुत घातक है। आरोपी को कठोर से कठोर सजा दी जाए। विशेष न्यायाधीश सुधांशु सिंहा की कोर्ट ने फैसला सुनाया कि लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार किया जाना एक विकराल समस्या हो गई है। जो समाज को खोखला कर रही है। भ्रष्टाचार लोकतंत्र और विधि के शासन की नींव को हिला रहा है। ऐसे आरोपियों को सजा देते समय नरम रुख दिखाना कानून की मंशा के विपरीत है और भ्रष्टाचार के प्रति कठोर रुख अपनाया जाना समय की मांग है। कोर्ट ने आरोपी प्रभारी प्रधानाध्यापक को भ्रष्टचार निवारण अधिनियम के तहत पांच साल की कठोर कैद के साथ 30 हजार रुपए के जुर्माना की सजा सुनाई है।

## पत्रकार विकास परिषद मध्यप्रदेश की कार्यकारी बैठक संपन्न

शहडोल। विगत दिवस पत्रकार विकास परिषद की बैठक आहूत की गई जिसमें पत्रकार विकास परिषद मध्य प्रदेश के शहडोल जिला संगठन के सभी पत्रकार बंधु उपस्थित रहे जिसमें जिले के नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से पारित कर शहडोल जिले मे कार्यकारिणी बनाई गई साथ ही संभाग शहडोल की कार्यकारिणी यथावत रखा गया है कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश संगठन अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी एवं प्रदेश सचिव जुनैद खान व संभागीय अध्यक्ष गोपाल दास बंसल द्वारा किया गया है साथ ही संगठन के पत्रकार बंधुओं ने अपने अपने विचार रखे व कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से बनाई गई जिन्हें शहडोल के नवीन जिला अध्यक्ष नीलेश द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र तिवारी जिला महासचिव अब्राहम क्रिस्टी एवं अन्य पद यथावत किया गया है जो सर्वसम्मति से पारित किया गया है साथ ही नवीन परिचय पत्र आईकार्ड दिनांक 7/01/23 को संगठन से जुड़े सभी पत्रकार को वितरण किया जाएगा उक्त कार्यक्रम में संगठन के सभी राष्ट्रीय,संभाग व जिला कार्यकारिणी को सभी नवीन कार्यकारिणी द्वारा साधुवाद धन्यवाद दिया गया और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुसुमाकर विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम सी पी आर राघवेंद्र सिंह के द्वारा अधिमान्य प्रमाण पत्र के लिए संगठन को प्राथमिकता दिए जाने पर संगठन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया कार्यक्रम बैठक सम्पन्न हुआ कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी के माता जी एवम संजीव निगम के दादी जी जुनैद खान की माता जी के मृत्य हो जाने पर संगठन के सभी पत्रकारो द्वारा 2 मिनट का मौन रखा गया 7 कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे अरविंद द्विवेदी गोपालदास बंसल नीलेश द्विवेदी संजय गर्ग रावेंद्र मिश्रा वीरेंद्र प्रताप सिंह अखिलेश कुमार शर्मा विश्व भूषण पांडे शैलेंद्र मिश्रा गणेश केवट विश्वास कुमार हलवाई अजय कुमार केवट शिरीष नंदन श्रीवास्तव अविनाश शर्मा सौरभ तिवारी चंद्रकांत श्रीवास्तव अमित कुमार तिवारी शौकत खान नरेंद्र कुमार तिवारी नरेश वर्मा राहुल नामदेव महेश कुशवाहा मोहम्मद शकील अखिलेश द्विवेदी दुर्गेश द्विवेदी निशांत गर्ग मोहम्मद हसन खान आशीष कुमार शर्मा दीपक केवट जुनैद खान मोहमद अहमद सैफी आदि पत्रकार कार्य बैठक में रहे उपस्थित 7

## नगर पालिका में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर हुई कार्यशाला

## प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े और जूट से बने थैले का उपयोग करें: ज्योति चौरसिया

छतरपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के अंतर्गत शनिवार की दोपहर नगर पालिका के सभाकक्ष में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगो को नपाध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया के द्वारा प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई और इसके प्रबंधन पर अपने विचार रखे।

इस मौके पर स्वच्छता नोडल उपयंत्री नीतेश चौरसिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को संबोधित करते हुए प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और श्री आर सिद्धांत के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। टॉयलेट 2.0 अभियान के बारे में बताते हुए सभी को स्वच्छता एप डाउनलोड करने और अपने आस-पास पड़े कचरे और गंदगी की फोटो स्वच्छता एप में डालने के लिए कहा। इसके बाद स्वच्छता निरीक्षक संजेश नायक, विपिन अवस्थी, मनीष चतुर्वेदी, पार्षद सुशील शिवहरे, गट्?टी यादव, सीपी गुप्ता, सहित अन्य लोगो ने अपने विचार रखे। जिसमें उन्होने बताया कि, प्लास्टिक कभी भी सड़ता नही है यह जमींन की उर्वरा शक्ति को नष्ट करता है और पौधो को नुकसान पहुंचाता है। सभी लोगो को प्लास्टिक के बैग का उपयोग बंद करके कपड़े और जूट से बने थैले का उपयोग करना चाहिए। लोगों में जागरूकता लाकर प्लास्टिक का उपयोग कम करते हुए प्लास्टिक मुक्त भारत और स्वच्छ भारत जैसे सामाजिक जागरूकता अभियान में अपना योगदान दे सकते है। इस दौरान पार्षद दीपेंद्र असाटी, अजय कबीर, टीडी अहिरवार, आरपी तिवारी, कैलाश राय, दयाराम कुशवाहा, उमाशंकर खरे, रामसिंह राय, राजेंद्र नापित, सुरेंद्र निगम सहित अन्य नपा कर्मचारी मौजूद रहे।

## नूतन वर्ष पर जन्म लेने वाली बेटियों को मिला सोना व चांदी

### माताओं को गौरव अवार्ड, बालिका पूजन से नव वर्ष का आरंभ

बैतूल। कन्या के जन्म का उत्सव मनाने व बेटियों को बचाने के उद्देश्य से एक जनवरी को जिला चिकित्सालय में स्व.श्रीमती शीला देवी हिरानी की पुण्य स्मृति में अभिनव आयोजन किया गया। ताप्ती आनंद क्लब के शैलेन्द्र बिहारिया व पंजाबराव गायकवाड़ ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी व एच मार्ट के संचालक धीरज हिरानी, श्रीमती अंजली हिरानी उपस्थित थे। उन्होंने सर्वप्रथम कन्याओं का पूजन कर नूतन वर्ष पर जन्म लेने वाली बेटियों को सोने व चांदी के फैंसी लॉकेट भेंट किये तो माताओं को शाल, श्रीफल, बुके से सम्मानित कर गौरव अवार्ड प्रदान किया। जिसमें विगत 3 दिनों में जन्म लेने वाली बेटियों को उपहार प्रदान कर चुनरी उ?ाकर सोने चांदी के लाकेट उपहार में दिए गए। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष पंजाबराव गायकवा? व ताप्ती क्लब के शैलेन्द्र बिहारिया ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य बेटी के जन्म पर माताओं को गौरव अनुभव कराना है व बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाना है। आज भी परिवार में बेटी के जन्म पर परिवार मायूस नजर आता है। आज भी बेटी बेटा में अंतर किया जाता है। इसी अंतर को पाटने प्रदेश का यह अभिनव आयोजन बैतूल में किया जाता है। इस अवसर पर धीरज हिरानी ने कहा कि नूतन वर्ष में बेटी के जन्म पर सोना व चांदी का लॉकेट उपहार में दिये गए जिससे परिवार को भी लगे कि बेटी सोना चाँदी लेकर आई है व उसे लक्ष्मी का रूप मानकर उसकी हमेशा इज्जत करे।

### इन बेटियों को मिला उपहार

जुडवा बेटियों को जन्म देने वाली माता श्रीमती रोशनी दीपू, श्रीमती किरवंती संतोष घो?ाडोंगरी को सोने के लॉकेट बेटियों के लिये भेंट किये गए। वहीं माताओं को शाल श्रीफल व बुके से सम्मानित किया गया। वहीं अभिलाषा विजय आमला,भारती देवेंद्र मुलताई, रवीना राहुल, योगिता घनश्याम जीन, रानी दिवाकर साईंखे?ा, पूणम सुरेश जामदेही, उषा राजेश, रीता सालिकराम, शीतल राजीव, सरिता, रूपल, राधा महेश, सुमित्रा सतीश,शिल्पा चेतन, मीनाक्षी राधेश्याम, प्रियंका मुरली, गुणता रमेश को चाँदी के लॉकेट भेंट किये गए। इस अवसर प्रकाश बंजारे, आउटसोर्स मजदूर संघ के अध्यक्ष प्रकाश करोसिया, महामंत्री सुनील पाल, चिंटू पटेल, ऋषिराम सरले, पुष्कर सातनकर ने माताओं का सम्मान कर लाकेट भेंट किये। जुडवा बेटी को जन्म देने वाली रोशनी की सम्मान पाकर आँखे भर आईं उन्होंने कहा आज दो बेटियां हुई जो सोना व चांदी लेकर आई है इन्होंने मुझे अपने जन्मदेते ही सम्मान दिला दिया ये वास्तव में लक्ष्मी का रूप है।

## मास्क और सैनिटाइजर बांटकर कोरोना के प्रति किया जागरूक

बैतूल। श्री संत रविदास वेलफेयर सोसायटी ने नए वर्ष में जिला अस्पताल में मास्क और सेनेटाइजर वितरण किया। सोसाइटी के अध्यक्ष जितेन्द्र गोले ने बताया कि कोरोना संक्रमण से जरा सी राहत मिलने के बाद फिर इसका खतरा बढ़ने लगा है। ऐसे में लोगों को मास्क, सैनिटाइजर व सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व समझाया गया और उनको मास्क व सैनिटाइजर वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर आ गई है। हर रोज देश में हजारों मामले मिल रहे हैं। कोरोना वेरियंट को देखते हुए जनजागरुकता अभियान चलाया जाएगा। बैतूल की जनता ने एक साल पहले लंबा लॉकडाउन झेला है। वैसा लॉकडाउन फिर न लगे, इसके लिए हमें खुद से जागरूक होना पड़ेगा। बिना मास्क लगाए घर से न निकलें। लोगों ने भी उनकी बातों से सहमति जाहिर की और मास्क के नियमित इस्तेमाल का प्रण लिया। इस अभियान में विजेन्द्र गोले, विकास महाजन, योगेश इंगले, सुखदर्शन सिंघ, राकेश चौकीकर, प्रदीप चौकीकर, सिद्धार्थ झरबड़े, ओम प्रकाश छिपने, राजेश मन्द्रे, श्रीनिवास कड़ू, सुरेश गायकवाड़, संजीव चौधरी, मोनू बटकर, विशाल भटनागर उपस्थित रहे।

## राम मंदिर निर्माण कार्य के लिए कांग्रेस विधायक का सहभागिता अभियान शुरू

बैतुल - नव वर्ष के शुभ अवसर पर कांग्रेस विधायक निलय डागा ने शहर के विनोवा वार्ड गंज मे स्थित शिव मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की पश्चात राम मंदिर निर्माण कार्य के लिए सहभागिता अभियान की तीसरे चरण की शुरुआत से ही नये वर्ष का आगाज किया । ब्लकि जो जुलूस के रूप में वार्ड के मुख्य मार्गो से राम नाम के नारों के साथ वार्ड के लीला बाबा के मंदिर में समापन किया गया इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय साहू ने कहा कि अयोध्या में बसे राम नाम से सभी हिंदू धर्म प्रेमियों की आस्था जुड़ी है कांग्रेस विधायक निलय डागा के इस सहभागिता अभियान की शुरुआत से से जिले में जनता के बीच राम मंदिर निर्माण कार्य को लेकर खासा उत्साह रहेगा उन्होंने इस अभियान में सहयोग करने की अपील भी की है । देर शाम तक चले इस अभियान में क्षेत्र के कई सैकड़ों धर्म प्रेमी उत्साह के साथ शामिल रहे ।

### कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज भोपाल

दूरभाष नम्बर- 0755-2677323

**जाहिर सूचना**

सर्व साधारण जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.12.22 को अज्ञात मृतक बलि उम्र करीबन 50 साल निवासी अज्ञात की मृत्यु हमीदिया अस्पताल मे दौरान ईलाज हो गई थी जिसे दिनांक 30.11.22 को साईन कालोनी से 108 एम्बुलेन्स द्वारा हमीदिया अस्पताल ईलाज हेतु ले जाया गया था जिसकी दौरान ईलाज दिनांक 09.12.22 को मृत्यु हो गई थी अज्ञात मृतक बलि की मृत्यु पर से मर्ग क्रमांक 39/22 धारा 174 जाफो का कायम कर जांच मे लिया गया । अज्ञात मृतक व्यक्ति की फोटो पहचान परिजनो की तलास पतारसी संभावित स्थानो हमीदिया रोड, समान्तर रोड, नादरा बस स्टेण्ड, न्यू कबाडखाना छोला रोड, बैरसिया रोड, रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर माँगने खाने वालो से मृतक की फोटो दिखाकर की गई। किन्तु कुछ भी पता नही चला है।

अज्ञात मृतक के संबंध मे किसी को कोई जानकारी प्राप्त होती है तो सूचना मेरे समक्ष कार्यालय मे उपस्थित होकर दी जा सकती है।

हुलिया : लम्बाई 5 फिट 3 इन्च, रंग सांवला, चेहरा गोल, बाल काले व सफेद, दाढी सफेद, कपडे नीला जीन्स व सफेद शर्ट पहने है।

जी-21100/22

थाना प्रभारी
थाना हनुमानगंज भोपाल

# निवेशकों की पूंजी वर्ष 2022 में 16.38 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वर्ष 2022 में दुनिया भर में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता गहराने और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों का प्रदर्शन अच्छा रहा और निवेशकों की पूंजी 16.38 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। विश्लेषकों ने इस अच्छे प्रदर्शन के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर वृहद-आर्थिक बुनियादी पहलुओं, खुदरा निवेशकों के भरोसे और विदेशी निवेशकों के फिर से खरीदारी करने जैसे कारकों को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि इन वजहों से ही भारतीय बाजारों ने वर्ष 2022 में दुनिया के अन्य बाजारों की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन दिखाया है।

साल के शुरुआती हिस्से में बाजारों को रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने का तगड़ा आघात लगा। जब रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला बोला तो बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 2,702.15 अंकों की भारी गिरावट के साथ धराशायी हो गया था। हालांकि उसके बाद के महीनों में सेंसेक्स ने अपनी खोई जमीन को फिर से पा लिया और तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद साल का समापन 2,586.92 अंक यानी 4.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ किया।

इस साल में सेंसेक्स ने अपना सर्वकालिक उच्च स्तर भी हासिल किया जब एक दिसंबर को सूचकांक 63,583.07 अंक पर पहुंच गया। हालांकि इसी साल 17 जून को सेंसेक्स 50,921.22 अंक के निचले स्तर पर भी गिरा था। अमेरिका स्थित हेज फंड हेडोनोवा के

सीआईओ सुमन बनर्जी ने कहा, वर्ष 2022 में भारतीय शेयर बाजारों ने तमाम चुनौतियों और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी के बावजूद बढ़त दर्ज की है। इसमें घरेलू संस्थागत निवेशकों और जुझारू आर्थिक बुनियादी पहलुओं का अहम समर्थन मिला है।

हालांकि कुछ क्षेत्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा है जबकि कुछ क्षेत्र पीछे रह गए हैं। इन सकारात्मक बिंदुओं का ही असर रहा है कि इस साल बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों की बाजार पूंजी 16,38,036.38 करोड़ रुपये बढ़कर 2,82,38,247.93 करोड़ रुपये हो गई। इस साल पांच दिसंबर को तो इन कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 290.46 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। स्वस्तिका इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, अधिकांश अंतरराष्ट्रीय बाजारों के मुकाबले भारत की वृहद-आर्थिक स्थिति कहीं बेहतर थी।

इसका नतीजा भारतीय इक्विटी बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के रूप में निकला है। खुदरा निवेशकों ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अपना पूरा भरोसा दिखाया है। यहां तक कि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भी साल के दूसरे हिस्से में फिर से निवेश करना शुरू कर दिया। साल के 12 महीनों में से पांच महीने सेंसेक्स मासिक बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि सात महीनों में इसे मासिक स्तर पर नुकसान उठाना पड़ा। जुलाई सबसे ज्यादा फायदेमंद महीना साबित हुआ जिसमें सेंसेक्स ने 4,662.32 अंक यानी 8.81 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज रेली ने कहा कि भारतीय बाजारों को चुनौतियों के बावजूद मुद्रास्फीति के बेहतर प्रबंधन और कंपनियों की आय बढ़ने जैसे पहलुओं का भी फायदा मिला है। इस साल शेयर बाजार में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी भी सूचीबद्ध हुई। फिलहाल एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 4,33,009.34 करोड़ रुपये है। साल के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 17,23,979.45 करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ देश की सर्वाधिक मूल्यवान कंपनी रही।

वर्ष 2021 में सेंसेक्स ने 21.99 प्रतिशत की जबरदस्त छलांग लगाई थी और निवेशकों की पूंजी में 78 लाख करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, दिसंबर में नुकसान में रहने के बाद शेयर बाजार नए साल की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ करना चाहेंगे। तीसरी तिमाही के कंपनियों के नतीजे और एक फरवरी को आने वाला बजट बाजारों के लिए तेजी का नया झोंका हो सकता है।

# वैश्विक उथल-पुथल, वित्तीय बाजार, सामान्य जोखिम में वृद्धि

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम प्रणालीगत जोखिम सर्वेक्षण (एसआरएस) के अनुसार वैश्विक स्पिलओवर, वित्तीय बाजार और सामान्य जोखिम बढ़ गए हैं, जबकि व्यापक आर्थिक जोखिम कम हो गए हैं। सर्वेक्षण में यह भी दिखाया गया है कि भारतीय वित्तीय प्रणाली में उत्तरदाताओं के विश्वास में और सुधार हुआ है, जिनमें से 93.6 प्रतिशत भारतीय वित्तीय प्रणाली की स्थिरता के प्रति काफी या अत्यधिक आश्वस्त हैं। वहीं संस्थागत जोखिमों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है।

उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक तंगी, वित्तीय स्थितियों का कड़ा होना, भू-राजनीतिक जोखिम, वैश्विक विकास अनिश्चितता, निजी क्रिप्टोकरेंसी से बढ़ते जोखिम और जलवायु परिवर्तन को वैश्विक, वित्तीय बाजार और सामान्य जोखिमों में वृद्धि के प्रमुख योगदानकर्ताओं के रूप में उद्धृत किया गया है। गुरुवार को जारी आरबीआई के सर्वेक्षण के अनुसार, अधिकांश उत्तरदाताओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए त्रुटि संभावनाओं में और सुधार देखा और भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता के बारे में आश्वस्त रहे। लगभग नब्बे प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आकलन किया कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की संभावनाओं में एक वर्ष के क्षितिज में सुधार या अपरिवर्तित रहने की संभावना है।

आरबीआई के प्रणालीगत जोखिम सर्वेक्षण का 23वां दौर नवंबर 2022 में भारतीय वित्तीय प्रणाली के सामने आने वाले प्रमुख जोखिमों पर बाजार सहभागियों और शिक्षाविदों सहित विशेषज्ञों की राय जानने के लिए आयोजित किया गया था।

सर्वेक्षण में बाहरी क्षेत्र के

विकास से वित्तीय स्थिरता के जोखिम पर उत्तरदाताओं की धारणा को भी शामिल किया गया; भारतीय वित्तीय प्रणाली के खंड - उन्नत अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आक्रामक मौद्रिक नीति को कड़ा करने और 2023 में वैश्विक मंदी की संभावना पर उनके विचारों से प्रभावित होने की संभावना है। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने आकलन किया कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की संभावनाएं एक से अधिक हैं एक साल के क्षितिज में सुधार हुआ है।

## अतुल पब्लिसिटी डीएवीपी विज्ञापनों के लिए पजीकृत

**भोपाल।** मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित छत्तीसगढ़ में बीते तीन दशक से अधिक समय से मान्यता प्राप्त विज्ञापन एजेंसी अतुल पब्लिसिटी प्रा.लि. को भारत सरकार सूचना प्रसारण मंत्रालय के सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ कम्यूनिकेशन (पूर्व में डीएवीपी) द्वारा प्रिंट मीडिया क्रिएटिव एजेंसी के रूप में चिन्हित कर अधिमान्य एजेंसियों की अखिल भारतीय सूची में रखा गया है। अतुल पब्लिसिटी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि अनुभवी जनसंपर्क, प्रचार-प्रसार विशेषज्ञों एवं नई पीढ़ी के जोशीले युवाओं से सुसज्जित अतुल टीम को इस नई उपलब्धि से नई ऊंचाई मिलेगी।

## हर्षीज कंपनी के डॉर्क चॉकलेट में भारी धातुओं की मात्रा खतरनाक स्तर तक, अमेरिका में केस दर्ज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिग्गज चॉकलेट निर्माता कंपनी हर्षीज के खिलाफ अमेरिका में एक उपभोक्ता ने मामला दर्ज कराया है। कंपनी पर ऐसे डार्क चॉकलेट बेचने का आरोप लगाया गया है, जिनमें लीड और कैडमियम की मात्रा नुकसान पहुंचाने वाली हद तक है।

बीते बुधवार को क्रिस्टोफर लजाराओ ने मामला दर्ज कराते हुए कहा कि कंपनी के उत्पादों स्पेशल डार्क माइल्डी स्वीट चॉकलेट, लिलीज एक्स्ट्रा डार्क चॉकलेट 70 प्रतिशत कोकोआ और लिलीज एक्ट्रीम डार्क चॉकलेट 85 प्रतिशत कोकोआ जैसे उत्पादों में धातु की मात्रा कंपनी की ओर से बताई गई मात्रा से कहीं अधिक है। हालांकि, आरोपों के बाद गुरुवार को हर्षीज से अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया था, पर कंपनी ने अभी तक इस मामले में अपना जवाब नहीं दिया है। यह मामला न्यूयॉर्क के सेंट्रल आईस्लिप की फेडरल कोर्ट में दायर किया गया है। बता दें कि कुछ अध्ययनों में दावा किया जाता है कि डॉर्क चॉकलेट्स में एंटीऑक्सीडेंट्स और चीनी की कम मात्रा हृदय रोगों से बचाव में मदद करती है।

## रतन टाटा के बेहद करीबी का निधन, वर्षों किया साथ काम, कहा- आपको भूल नहीं सकते!

**नई दिल्ली।** टाटा समूह के दिग्गज और टाटा संस के पूर्व निदेशक आरके कृष्णकुमार का रविवार एक जनवरी 2023 को मुंबई में निधन हो गया. कृष्णकुमार सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट में शामिल थे. पद्मश्री से सम्मानित कृष्णकुमार 84 साल के थे. रविवार को मुंबई स्थित उनके घर पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा था. कृष्णकुमार ने टाटा समूह के कई अधिग्रहणों में महत्वपूर्ण निभाई थी. कृष्णकुमार को भारतीय व्यापार और उद्योग में उनके योगदान के लिए 2009 में भारत सरकार ने चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया था.

**रतन टाटा ने जताया दुख-** आरके कृष्णकुमार के निधन पर रतन टाटा ने दुख जताते हुए कहा- %मेरे दोस्त और सहयोगी आरके कृष्णकुमार के निधन पर मुझे जो नुकसान हुआ है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. मैं हमेशा उस सौहार्द को याद रखूंगा, जो हमने ग्रुप के भीतर और पर्सनल रूप से साझा किया था. वो टाटा ग्रुप और टाटा ट्रस्ट के सच्चे दिग्गज थे. उनकी कमी सभी को खलेगी. कृष्णकुमार के निधन पर रतन टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भी शोक व्यक्त किया है. कृष्णकुमार टाटा ग्रुप में कई अहम पदों पर रहे. उन्होंने टाटा ग्रुप के %इंडियन होटल्स% के प्रमुख के रूप में भी काम किया था.

**1963 में टाटा ग्रुप से जुड़े थे-** कृष्णकुमार 1963 में टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज में शामिल हुए थे. 1965 में उन्हें टाटा ग्लोबल बेवरेजेज में ट्रांसफर कर दिया गया, जिसे तब टाटा फिनले के नाम से जाना जाता था. उन्होंने टाटा टी के री-ब्रांडिंग के लिए काम किया। कुमार ने 1997 से 2002 तक इंडियन होटल्स कंपनी का नेतृत्व किया. इसके बाद उनकी नियुक्ति समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में निदेशक मंडल के सदस्य के रूप में हो गई. एक साल बाद, वह बोर्ड से रिटायर हुए और इंडियन होटल्स कंपनी में उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में वापस लौट गए।

## 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले दुनिया के पहले शख्स बने मस्क

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कुछ दिनों पहले तक दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे एलन मस्क के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया है। वे 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। ऐसा अक्तूबर 2022 में ट्विटर अधिग्रहण के बाद मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में आई गिरावट के कारण हुआ है। एलन मस्क जनवरी 2021 में 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे शख्स बने थे। उनसे कुछ महीने महीने अमेजन के मुखिया जेफ बेजोस यह तमगा हासिल कर चुके थे। टेस्ला के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर 51 साल के एलन मस्क अब 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले दुनिया के पहले इंसान बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक हाल के हफ्तों में टेस्ला के शेयरों में कमजोरी, खासकर बीते मंगलवार को इसमें आई 11 प्रतिशत की गिरावट के कारण मस्क की संपत्ति अब 137 बिलियन डॉलर (करीब 11.33 लाख करोड़ रुपये) रह गई है। बता दें कि 4 नवंबर 2021 को मस्क की संपत्ति बढ़र 340 बिलियन डॉलर हो गई थी। ऐसे में तब से लेकर अब तक मस्क की संपत्ति में 200 बिलियन डॉलर से अधिक की गिरावट आ चुकी है।

हालांकि वे अब भी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। इसी महीने फ्रेंच कारोबारी और लग्जरी गुड्स ब्रांड लुई विटॉन के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट मस्क से आगे निकलते हुए दुनिया के सबसे अमीर शख्स बन गए थे।

# नौकरी में नहीं लगता मन स्टार्टअप की दुनिया में रखें कदम

## 1 अरब डॉलर के पार वैल्यूएशन चले जाने पर यूनिकॉर्न बनता है स्टार्टअप

- **चालू वित्त वर्ष में 100 से ज्यादा स्टार्टअप बन चुके हैं यूनिकॉर्न**
- **भारत में 61,400 स्टार्टअप्स को मिली हुई है डीपीआइटी से मान्यता**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर कोई शख्स जॉब नहीं करना चाहता या उसे सही जॉब नहीं मिल पा रही है लेकिन वह अपने काम को 100 नहीं, 200 फीसदी मेहनत और बढ़िया प्लानिंग के साथ पूरा कर सकता है तो स्टार्टअप की दुनिया में स्वागत है। हम इस लेख में जानेंगे कि स्टार्टअप कैसे शुरू करें। कैसे पता चले कि हम भी स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं या नहीं? किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इसी बारे में देश के जाने-माने एक्सपर्ट्स से बातचीत करके पूरी जानकारी दे रही हैं रजनी शर्मा। भारत में अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार हो गया है। फिन टेक, हेल्थ, स्पेस, एग्रो, इंडस्ट्री, सिक्युरिटी, ई-कॉमर्स, ट्रांसपोर्ट, एडटेक और फूड आदि क्षेत्रों में काफी स्टार्टअप काम कर रहे हैं। हाल का एक सर्वे बताता है कि भारत में 61,400 स्टार्टअप हैं जिन्हें डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड द्वारा मान्यता मिली हुई है। इसमें से करीब 14,000 स्टार्टअप ऐसे हैं जिन्हें 2021-22 में ही मान्यता मिली है। 44 भारतीय स्टार्टअप ऐसे हैं जिन्हें साल 2021 में यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल हुआ और चालू वित्त वर्ष 2022-23 में ऐसे 100 से ज्यादा स्टार्टअप हैं। कोई स्टार्टअप यूनिकॉर्न तब कहलाता है जब उसकी वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर के पार हो जाए।

**स्टार्टअप का सही वक्त-** हम कुछ बड़ा करना चाहते हैं तो स्टार्टअप के बारे में सोचते हैं। अब इंटरनेट की वजह से कम पैसे में चीजों को बहुत लोगों तक पहुंचा सकते हैं। भारत में पिछले 20 साल में स्टार्टअप की लागत भी कम हुई है। टेक्नॉलजी की वजह से काम करना आसान हो गया है। लेकिन हम अपना स्टार्टअप या बिजनेस कैसे शुरू करें और सारी मुश्किलों को पार करते हुए उसे कामयाब कैसे बनाएं? हमारे सामने सबसे बड़ा सवाल यही उठता है। स्टार्टअप शुरू करने के कई अहम कदम होते हैं। जब हम इनके बारे में जान लेंगे तो चीजें आसान हो जाएंगी। सबसे पहले तो हमें अपना मूल्यांकन करना चाहिए कि हम स्टार्टअप के लिए तैयार भी हैं या नहीं?

**पहले कुछ बेसिक बातें जान लेते हैं-** आंत्रप्रेन्योर - ऐसा शख्स जो मार्केट में आए नए मौके के मुताबिक ऐक्शन ले। बाजार की अलग-अलग प्रॉडक्ट कैटिगरी में वह फटाफट कदम रखता है। वह स्टार्टअप शुरू करता है।

आंत्रप्रेन्योरशिप - यह प्रक्रिया एक बिजनेस की प्लानिंग करने, टीम बनाने और फिर कस्टमर की जरूरतों को पूरा करने व शेयरहोल्डर्स के लिए प्रॉफिट कमाने के लिए नए-नए तरीकों से बिजनेस चलाने से शुरू होती है।

**स्टार्टअप और बिजनेस में फर्क?-** कभी-कभी स्टार्टअप और बिजनेस जैसे शब्दों को एक-दूसरे की जगह इस्तेमाल कर लिया जाता है लेकिन ये दोनों अलग हैं। स्टार्टअप और छोटा बिजनेस करना दोनों अलग बातें हैं। स्टार्टअप वह बिजनेस मॉडल है जो कोई बिजनेसमैन नए आइडिया और किसी परेशानी को हल करने के मकसद से शुरू करता है, जैसे ऑनलाइन पैसों का ट्रांसफर करना। इसमें आइडिया और इनोवेशन दोनों चीजें अहम होती हैं, जबकि छोटा बिजनेस वह मॉडल है जिसके जरिए कोई पारंपरिक व्यवसाय में ही अपनी बेस्ट सर्विस देने की कोशिश करता है। वह लोकल लेवल पर होता है जैसे किराने की दुकान। इसका मतलब है कि कोई बिजनेस वह जो पहले से चल रहा है और स्टार्टअप नए विचार या नई तकनीक से पैदा होता है। वह स्टार्टअप तभी है जब वह कोई नया बिजनेस होगा।

**ऐसे गुण होते हैं आंत्रप्रेन्योर में-** आप बिजनेस चलाना चाहते हैं या स्टार्टअप? अगर आंत्रप्रेन्योर बनना है तो क्या आपके अंदर सही काबिलियत है? इसलिए कामयाब आंत्रप्रेन्योर के गुण जान लेते हैं। एक कामयाब आंत्रप्रेन्योर में ऐसे गुण होते हैं जो उनके व्यक्तित्व का हिस्सा होते हैं और कामयाबी दिलाते हैं। ये उन्हें जीवन में कामयाब होने में मदद तो करते ही हैं, साथ ही आंत्रप्रेन्योरशिप के दौरान आनेवाली मुश्किलों को दूर करने में भी मदद करते हैं-

**क्या आप में है कॉन्फिडेंस?-** आत्मविश्वास किसी भी काम को पूरा करने के लिए सबसे जरूरी क्षमता है। इसका यह भी मतलब है कि अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना। आत्मविश्वास एक आंत्रप्रेन्योर को कस्टमर तक पहुंचने और उनसे प्रॉडक्ट या सर्विस के बारे में उनकी प्रतिक्रिया मांगने में मदद करता है। एक आंत्रप्रेन्योर को प्रॉडक्ट डिवेलप करने, उसे निवेशकों तक पहुंचाने और बनाने के लिए टीम तैयार करनी होती है। उसमें इतना आत्मविश्वास होना चाहिए कि अपने विजन में सबका भरोसा जगा सके। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ओवर कॉन्फिडेंस न हो। अति आत्मविश्वास अक्सर गलत फैसले करवा देता है। इसलिए बैलंस बनाए रखना भी जरूरी है।

**क्या आप सेल्फ मोटिवेटिड हैं?-** आजादी का मतलब है वह क्षमता होना कि अकेले भी काम कर सकें और सभी काम बढ़िया तरीके से पूरे करे। एक आंत्रप्रेन्योर खुद को हमेशा मोटिवेशन से भरपूर रखता है और अपने कामों पर उसका पूरा कंट्रोल रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसका कोई बॉस नहीं होता जो उसे लगातार गाइड करता रहे।

**काम के लिए जुनून कितना है?-** इस गुण का मतलब है कि उसे ज़िंदगी के मुश्किल वक्त में हार न मानने की आदत हो और वह लगातार आगे बढ़ता रह सकता है। कोई भी कारोबार करने में कई बार नाकामी भी मिलती है। कई बार चीजें हमारे हक में नहीं रहतीं। उस वक्त आंत्रप्रेन्योर को पॉजिटिव रहना होता है। उसका मोटिवेशन खत्म नहीं होना चाहिए। जुनून का मतलब यह भी है कि मुश्किलें दूर करने के लिए अलग और नए तरीके निकालना। पहली कोशिश में नाकामी मिलने के बावजूद निराश या दुखी न होना।

**सिर्फ अपने मन की करते हैं?-** यह बहुत ही जरूरी है कि दूसरों के विचारों और उनकी राय के प्रति खुलापन बरता जाए। स्टार्टअप में खुला दिमाग रखना ही फायदेमंद होता है, हर कदम पर स्मार्ट होने के लिए गलतियों से सीखना भी जरूरी है। अपनी ही नहीं, दूसरों की गलतियों से भी सीखना होता है।

# उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण को मिले एक लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को राज्य के विभिन्न जिलों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव निवेशकों से मिले हैं। इन निवेश प्रस्तावों में से 83,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इन एमओयू को 10-12 फरवरी 2023 को लखनऊ में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा ताकि निवेशक कंपनियां परियोजनाओं के क्रियान्वयन का कार्य जल्द शुरू कर सकें।

राज्य सरकार के एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निवेशक सम्मेलन के जरिये उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर घरेलू एवं विदेशी निवेश जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस लिहाज से यूपीसीडा ने इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में अहम योगदान दिया है। यूपीसीडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मयूर माहेश्वरी ने कहा कि राज्यसरकार उत्तर प्रदेश को एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यस्था बनाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

इस लक्ष्य को पाने के लिए यूपीसीडा के वरिष्ठ अधिकारियों की नौ टीमों का गठन कर प्रथम चरण में प्रदेश के 22 जिलों में निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ निवेश बैठकें आयोजित की गईं। निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित गोष्ठियों में निवेशकों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

किए गए। मुख्य रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, वाहन, निजी औद्योगिकी पार्क, भंडारण, कागज, चिकित्सा, जैव-ईंधन, खिलौना उत्पाद, डेटा सेंटर, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में इकाइयां लगाने में रुचि दिखाई गई है।

माहेश्वरी ने बताया कि निवेशक सम्मेलन से पहले प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम गठित कर राज्य के अन्य जिलों में भी निवेश गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही सरकार की अन्य निवेश नीतियों का प्रचार-प्रसार कर नीतियों के अंतर्गत निवेश कराते हुए अधिक से अधिक रोजगार सृजित करने हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर किए जा चुके एमओयू के क्रियान्वित होने के बाद हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराने के लिए यूपीसीडा ने 15,000 एकड़ से अधिक का भूमि बैंक तैयार कर लिया है। हस्ताक्षर किए जा चुके एमओयू में गाजियाबाद में ग्रूपेकर्स नेटवर्क द्वारा 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से निजी पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव भी शामिल है जहां करीब 10,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह गौतमबुद्धनगर में मोबिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रुप द्वारा 8,000 करोड़ रुपये के निवेश से लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउस पार्क स्थापित करने से 1,000 लोगों को नौकरी मिलेगी। कानपुर में मेगा लेदर क्लस्टर डेवलपमेंट (यूपी) लिमिटेड 6,000 करोड़ रुपये के निवेश से चमड़ा उद्योग लगाने वाली है जहां पर करीब दो लाख लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। प्रतापगढ़ में भी धरित्री सॉल्यूशन प्रा. लि. एसएमआरएम इनोवेटिव वेंचर्स प्रा0 लि. 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से निजी औद्योगिक पार्क स्थापित करने वाली है जहां 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इसी तरह सोनभद्र में सिटी गोल्ड इंडस्ट्रियल प्रा.लि. की तरफ से 3,000 करोड़ रुपये के निवेश से सीमेंट संयंत्र लगाने का प्रस्ताव है जहां करीब 1,000 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। लखनऊ में वेलस्पन और लॉजिस्टिक्स पार्क्स प्रा. लि. करीब 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं। इनके अलावा भी कई जिलों में हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव यूपीसीडा को मिले हैं।

## नुन्हारिया मेहरा समाज की बैठक

**छिंदवाड़ा ।** नुन्हारिया मेहरा समाज विकास समिति छिंदवाड़ा की महत्वपूर्ण बैठक रविवार, समय 1 बजे स्थान मते कालोनी, PWD ऑफिस के पीछे,प्रांतीय अध्यक्ष अतरलाल कोलारे जी के निज निवास में रखी गई थी। बैठक में निम्न बिंदु पर व्यापक चर्चा की गई प्रांतीय अध्यक्ष अतरलाल कोलारे जी ने बताया कि इस वर्ष समाजिक परिचय सम्मेलन में अधिक-अधिक युवक-युवतियों को परिचए देने के अवसर प्रदान किए जाएंगे तकि समाजिक वैवाहिक पृष्ठभूमि तैयार की जा सके। प्रांतीय सचिव संजय मेहरा ने बताया कि आगामी परिचय सम्मेलन की सम्मस्त कार्यवाही पूर्ण कर की गई ओर कार्यक्रम विभिन्न प्रकार की रूपरेखा तैयार कर ली गई हैं जिसका आयोजन 29/01/2023 दिन रविवार, स्थान-चित्रांश लॉन, छोटा तालाब के पास कराया जाना सुनिश्चित किया गया है युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुमित भावरकर ने बताया कि सदस्यता अभियान के तहत प्रदेश के समस्त जिलो के समस्त गांवो एवं कस्बो के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़कर नुन्हारिया मेहरा समाज समाज की सदस्यता प्रदान की जाएगी। इस बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष संतोष वस्त्राणे,कोषाध्यक्ष महेन्द्र खातरकर, वरिष्ठ सदस्य हेमराज बुनकर,सोनू पटेलिया, भूपेंद्र पटेलिया, अंकित मेहरा,सहित समाजिक बन्धु उपस्थित रहे।

## आर.पी.आई. ने दी समस्त जिलेवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ

**छिंदवाड़ा )।** आर.पी.आई. के संरक्षक केन्द्रीय मंत्री सामाजिक न्याय भारत सरकार, राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रेश गजभिये एवं जिलाध्यक्ष मोनू प्रजापति ने समस्त जिलेवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और व्यक्त की है कि नववर्ष 2023 समस्त जिलेवासियों के जीवन में उन्नति व खुशियाँ लेकर आए और सभी वर्ग उन्नति करे ।

## कमलनाथ-नकुलनाथ ने दी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें

### समस्त जनमानस के लिये सुख शांति व समृद्धि की ईश्वर से कामना की

**छिन्दवाड़ा0।** पूर्व मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ ने जिलेवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें दी है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ ने ईश्वर से प्रार्थना की कि नववर्ष आप सभी के जीवन में उन्नति व खुशियां लेकर आये। युवा पीढ़ी नव संकल्प लेकर उसे पूरा करने अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों और उसमें सफलता प्राप्त करें। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने जिले, प्रदेश व देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करते हुये अपने शुभकामना संदेश में कहा कि वर्ष 2023 किसान भाईयों की उम्मीदों व अपेक्षाओं को पूर्ण करने वाला वर्ष हो साथ ही युवा पीढ़ी अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर सुनहरे भविष्य के सपनों को साकार करने में सफल रहें। श्री नाथ ने अपने आगे लिखा कि नववर्ष का सूर्योदय नई आशाएं व उम्मीदें लेकर आता है, जिन्हें हम सभी दृढसंकल्प और समर्पित भाव से कार्य करते हुये पूर्ण कर सकते हैं।

## भीमसेना ने भीमा कोरेगांव के शहीदों को किया नमन

**छिंदवाड़ा ।** डॉ. अम्बेडकर तिराहे पर भीमसेना जिला छिंदवाड़ा के तत्वाधान में भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस पर शहीदों को नमन कर पुष्पाजंलि अर्पित की गई। इस अवसर भीमसेना के जबलपुर सम्भाग प्रभारी सुमित भावरकर, जिला छिंदवाड़ा सह प्रभारी कृष्णा बैलवंशी द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुद्ध वंदना की गई एवं भीमा कोरेगांव में शहीद हुए महार रेजीमेन्ट के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके जज्बे को सलाम किया गया।इस अवसर पर सम्भाग प्रभारी सुमित भावरकर ने बताया कि आज का दिन हमारे गौरवपूर्ण इतिहास का महत्वपूर्ण दिन है आज के दिन 1 जनवरी 1818 को भीमा कोरेगांव में जातीय जुल्म और अमानवीय अत्याचारों के खिलाफ आत्म सम्मान, स्वाभिमान बराबरी एवं प्रतिष्ठा की लड़ाई हुई जिसमें 28 हजार पेश्वा सैनिको को महार रेजीमेन्ट के मात्र 500 बहादूर सैनिकों द्वारा पराजित किया गया था। भीमसेना जिला सह. प्रभारी कृष्णा बैलवंशी ने संबोधित करते हुए कहा कि महार रेजीमेन्ट के शहीदों से प्रेरणा लेकर संगठित होकर सभी बाधाओं को पार किया जा सकता है। तथा बाबा साहेब के मुलमंत्र शिक्षित बनो,संगठित रहो,संघर्ष करो का आव्हान किया। इस अवसर भीमसेना अर्जून सोनारे,मुकेश सरनकर, मोहम्मद इस्लाम,अंकित मेहरा,भूपेंद्र पटेलिया, शुभम सरनकर, ललीत गजभिए, दीपक आठनकर, सोनू पटेलिया सहित भीमसैनिक उपस्थित रहे।

## श्रीराम कथा में शामिल हुए पूर्व मंत्री चन्द्रभान

**छिंदवाड़ा ।** माल्हनवाडा में चल रही श्रीराम कथा व्यासपीठ राधिका किशोरी जी वृंदावन के मुखारविंद के द्वारा की जा रही है राम कथा श्रवण करने शामिल हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह, देवेंद्र सूर्यवंशी , सत्येंद्र सिंह चौधरी एवं समस्त ग्रामवासियों ने राम भरत मिलाप की सुंदर कथा श्रवण कर व्यासपीठ राधिका किशोरी से आशीर्वाद लिया।

# हर्षोल्लास से मनाया नव वर्ष

# मंदिरों में रही भीड़, जाम सांवली मंदिर में एक लाख से ज्यादा लोगों ने किये दर्शन

**छिंदवाड़ा ।** प्रसिद्ध चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर जाम सावली में वर्ष 2022 के अंतिम शनिवार को लाखो संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे कई दर्शनार्थी सुबह की आरती में शामिल होने के किए रात्रि 1 बजे से प्रशासन द्वारा बनी रेलिंग में कतार से खड़े रहकर दर्शन के लिए इंतजार करते रहे जानकारी में बता दे कि यह मंदिर में स्थापित श्री हनुमान महाराज का चमत्कार जिले से लेकर प्रदेश और देश विदेश तक जाना जाता है मुख्य रूप से मंदिर की विशेषता कि बात करे तो अद्भुत श्री हनुमान मंदिर आस्था और विश्वास का केंद्र है, जहां सच्चे मन से आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। स्वयं श्री हनुमान जी निद्रा अवस्था में विराजमान हैं। मूर्ति के नाभी से जल निकलता है इसी के साथ भूत प्रेत निकलने लोग आते है लाखो लोगो को आस्था का प्रतिक हनुमान मंदीर में प्रतिक शनिवार को भी दर्शन करने सुबह 4बजे की आरती के बाद भीड़ उमड़ती है तो श्रद्धालुओं को दर्शन करने लंबी कतार में खड़ा रहना पड़ता है इस दौरान जानकारी में सौसर एसडीओपी एसपी सिंह ने बताया कि 2022 का अंतिम दिन और शनिवार होने के कारण इस वर्ष अधिक भीड़ देखने जहा लगभग 1 लाख से अधिक दर्शनार्थी ने सुबह से लेकर शाम तक दर्शन किए गए वही आज नए वर्ष के अनुसार भी भक्तो का जन सैलाब दर्शन करने उमड़ा। वही पुलिस प्रशासन द्वारा भी शांति सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक चौबंद व्यवस्था बनाए गई वही पुलिस प्रशासन ने डीजे वाहन को मंदिर परिसर के अंदर प्रवेश नही दिए गया इस दौरान जानकारी में सौसर एसडीओपी एसपी सिंह ने बताया कि मंदिर परिसर में शांति सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिले भर के पुलिस थाने के अलावा लाइन से अरितिक पुलिस बल को तैनात किया गया । इस दौरान स्थानीय प्रशासन की और से एसडीओपी एसपी सिंह, तहसीलदार मनोज चौरसिया, सौसर थाना प्रभारी अमित कोरी, लोधीखेड़ा थाना प्रभारी दीपक डहेरिया साहिल जिले भर के थाना प्रभारी और नायब तहसीलदार सहित आरआई, पटवारी, कोटवाल सहित पुलिस कर्मियों ने शांति सुरक्षा का मोर्चा संभाला, वही आज नए वर्ष के अवसर पर सुबह 5 बजे से विशेष पूजा अर्चना के साथ दर्शन शुरू होगे।

### पिकनिक स्पॉट और मंदिर में रही भीड़

नव वर्ष के प्रथम दिन को छिंदवाड़ा वासियों ने ईश्वर के नाम समर्पित किया ताकि पूरा वर्ष शुभ ही शुभ रहे। रात 12 बजे के बाद से ही सोशल मीडिया व एसएमएस के माध्यम से लोगों ने एक-दूसरे को नए वर्ष का शुभकामना के संदेश दिए। 12 बजे के बाद शहर में लोगों ने आतिशबाजी कर नए वर्ष का स्वागत किया। रविवार की सुबह नववर्ष की सुबह से ही एक ओर जहां लोग अपने ईष्टमित्रों सहित परिवारजनों को नववर्ष की बधाई देते रहे। वहीं दूसरी ओर परिवारजनों के साथ ईश्वर भक्ति में भी लीन रहे। प्रत्येक मंदिर में अप्रत्याशित भीड़ लगी रही तथा लोग पूजा-अर्चना करते रहे। पिकनिक स्थल के रूप में भी लोगों ने धार्मिक स्थल को ही चुना। पिकनिक स्थल के रूप में अन्य वर्षो की तरह इस वर्ष भी लोगों की पहली पसंद भगवान सिमरिया के हनुमान का मंदिर रहा जहां लोगों ने नववर्ष को जमकर सेलिब्रेट किया। मंदिर प्रबंधन सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन भी इस स्थल पर पूरी सक्रियता बरतती रही। वहीं शहर के ही भरतादेव में सुबह से ही लोग परिवार के साथ पिकनिक मनाने पहुँचे। परिवार के साथ बच्चो ओर युवाओं ने भी नए साल का जश्न जमकर मनाया। शहर के धरमटेकड़ी व भरतादेव पार्क में लोग अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाने पहुंचे। जिसका क्रम देर शाम तक चलता रहा। जिले में जामसांवली हनुमान मंदिर, हिंगलाज मंदिर, कोसमी मंदिर में सुबह से भक्तों का पहुंचना शुरु था। वहीं पिकनिक स्पाट माचागोरा डेम, कन्हरगांव डेम, कुकड़ी खापा में भी लोग पहुंचकर पिकनिक मना रहे थे।

### साई मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

श्री शिर्डी साईं मंदिर विवेकानंद कॉलोनी में नव वर्ष के उपलक्ष्य में हजारों साई भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सच्चिदानंद सेवा समिति के कार्यक्रम सचिव आनंद बक्षी ने बताया कि प्रात: साढ़े 5 बजे काकड़ आरती के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार से बाबा का अभिषेक चिराग शाह , हर्ष चौरसिया, विवेक चौरसिया के शुभहस्ते सम्पन्न हुआ , यह उल्लेखनीय है कि सच्चिदानंद सेवा समिति द्वारा मन्दिर की आकर्षक साज सज्जा की गई है , प्रात: 9 बजे से श्रीमती जयन्ती शाह (शाह स्टेशनर्स) की ओर से बाबा का फोटोयुक्त कैलेंडर एवं गुलाब जामुन प्रसाद स्वरूप वितरित किये गए। मंदिर के सहसचिव विजयेंद्र तिवारी द्वारा सुमधुर साई भजनों की प्रस्तुति दी गयी, समिति के कोषाध्यक्ष देवराव उपासे ने व्यवस्थाओं को संचालित किया ।सच्चिदानंद सेवा समिति ने सभी के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया ।

### नव वर्ष में हनुमान मंदिर में हुए विविध कार्यक्रम

**अमरवाड़ा।** छिंदवाड़ा रोड स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर बरदिया में नव वर्ष के अवसर पर विशेष आयोजन के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सुबह से ही पूजन पाठ के साथ-साथ हवन पूजन के कार्यक्रम मंदिर परिसर में शुरू हो गए थे। मंदिर में विशेष महाआरती के दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया। तदुपरांत मंदिर समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जो कि देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर मंदिर समिति के अलावा अन्य सदस्यों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए सहयोग प्रदान किया। इन सबके अलावा नगर के जगतदेव मातेश्वरी मंदिर में नगर भोज का आयोजन हुआ। तो वही सुरलाखापा साईं मंदिर में भी मेले का आयोजन करते हुए भंडारा कार्यक्रम किया गया।

### नटनी माई नगर भोज समिति ने कराया नगर भोज

अमरवाड़ा मातेश्वरी मंदिर जगत देव में नटनी माई नगर भोज समिति के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले नगर भोज का आयोजन किया गया जिसमें नगर एवं आसपास के धर्म प्रेमी जनता जनार्दन माता रानी के दर्शनों हेतु मंदिर पधारी उन सभी जनता जनार्दन को नटनी माई नगर भोज समिति एवं मातेश्वरी मंदिर जगतदेव समिति के द्वारा प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण कराया गया !

## जरुतमन्दों को कराया भोजन, बांटी कपड़े की थैली

### नववर्ष पर सर्वोदय अहिंसा ने लिया स्वच्छता का संकल्प

**छिन्दवाड़ा ।** जीव रक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाली सामाजिक संस्था सर्वोदय अहिंसा द्वारा नूतन वर्ष 2023 का अभिनन्दन स्वच्छ भारत मिशन को समर्पित कर विविध अनुष्ठानों के माध्यम से किया।

नूतन वर्ष के अभिनन्दन पर सभी सदस्यों ने प्रात:काल की मंगल बेला पर नगर के समस्त दिगम्बर जिनालयों सहित चैत्यालयों की पावन वंदना कर वहां विराजमान वीतरागी देव - शास्त्र - गुरु भगवानों की पूजन आराधना से की पश्चात निज निवास में अपने अपने पूज्य माता - पिता के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और मेरी भावना का पाठ कर विश्व शांति की मंगल भावना व्यक्त कर जरूरतमंदों को भोजन कराकर गर्म कपड़ों का वितरण किया।स्वच्छता का लिया संकल्प - नूतन वर्ष अभिनन्दन पर सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन ने सभी सदस्यों को छिन्दवाड़ा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प दिलाकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया एवं प्लास्टिक मुक्त हो शहर अपना के तहत कपड़े की थैली का वितरण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने स्वच्छता कुर्सी दौड़ एवं अक्षय निधि में हिस्सा लेकर सभी को स्वच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर सर्वश्री श्रीमती मंजू जिनेन्द्र जैन, ऊषा राजीव पाटनी, संध्या सुभाष जैन, संगीता दीपकराज जैन, कल्पना अतुल जैन, प्रमिला नरेन्द्र जैन, अंजू आनन्द जैन, संगीता संजय जैन, तनहा विवेक जैन, निशि सन्नी जैन, अमिता जैन, संस्कृति जैन, सिद्धांत जैन, तनवी जैन, सम्यक जैन, आर्या जैन, सेजल जैन, भव्य जैन, अवनी जैन, आन्या जैन के साथ बड़ी संख्या में युवा वर्ग एवं बालिकाओं ने स्वच्छ छिन्दवाड़ा सुंदर छिन्दवाड़ा बनाने का संकल्प लिया और सभी को नववर्ष 2023 के मंगलमय शुभारंभ की शुभकामनाएं दी।

## गरमेटा मंदिर के गौरीकुंड मार्ग मैं किया गया अतिक्रमण हटाने की मांग

**अमरवाड़ा ।** नगर पालिका क्षेत्र वार्ड क्रमांक 3 आईएचएसडीपी योजना अंतर्गत कॉलोनी के मकान क्रमांक 6 के निवासी द्वारा शिव धाम गौरीकुंड धार्मिक स्थान को जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण कर रास्ता बंद कर दिया गया है इस गौरीकुंड से ही उसके जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जाता है यह कुंड पीने का पानी भी उपलब्ध कराया जाता है शिव धाम गरमेंटा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य ने बताया है कि कुछ व्यक्तियों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है और निरंतर जारी है गरमेंटा मंदिर समिति पदाधिकारियों ने उक्त व्यक्तियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को तुरंत हटा कर कुंड की पवित्रता को बचाने की मांग की गई ह।

### जेठ ने कर दी बहू की पिटाई

**अमरवाड़ा।** नगर के वार्ड क्रमांक 6 निवासी महिला ने जब अपने ससुर से मायके जाने की अनुमति मांगी तो जेठ भूवन राय द्वारा बहू के साथ मारपीट किया जिससे उसे चोट आई और धमकी दिया दोबारा यदि मायके जाने की बात करेगी तो जान से खत्म कर दूंगा महिला की रिपोर्ट पर जेठ के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गयौ

## उप संचालक ने ग्राम टाटरवाड़ा के लेयर पोल्ट्री फॉर्म का किया निरीक्षण

**छिन्दवाड़ा ।** उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा गत दिनों जिले के विकासखंड जुन्नारदेव के ग्राम टाटरवाड़ा के लेयर पोल्ट्री फॉर्म का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ.छत्रपाल टांडेकर भी साथ में थे ।उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.पक्षवार ने बताया कि पोल्ट्री फॉर्म मालिक श्री इंदर सिंह चौहान ने वर्तमान में पोल्ट्री फॉर्म में 5500 अंडे देने वाली मुर्गी केज सिस्टम में पाली हैं जिसमें से प्रतिदिन 5000 अंडे उत्पादित हो रहे हैं । अंडों को बेचकर व सभी लागत काटकर प्रतिदिन 5000 रुपये के मान से एक माह में लगभग डेढ़ लाख रुपये की आय अर्जित की जा रही है । पोल्ट्री फार्म मालिक ने बताया कि पोल्ट्री फॉर्म का विधिवत पंजीयन कराया गया है। उप संचालक डॉ.पक्षवार ने निर्देश दिये कि विकासखंड जुन्नारदेव में यदि कोई भी पोल्ट्री फॉर्म बिना पंजीयन के संचालित हो तो संबंधित पोल्ट्री फार्म मालिक तत्काल पंजीयन कराने के बाद ही पोल्ट्री फॉर्म का संचालन करें। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की गाइड लाइन के अनुसार सभी पोल्ट्री फॉर्म चाहे वो अंडे देने वाली मुर्गी का पोल्ट्री फॉर्म हो या ब्राउज़र पोल्ट्री फॉर्म हो, को पंजीयन कराना अनिवार्य है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की है की पोल्ट्री फॉर्म स्थापित कर अच्छी आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बनें ।

## सुजीत जैन बने धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

**छिन्दवाड़ा ।** पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ ने सनातनी धर्म के प्रचार व प्रसार हेतु जिला कार्यकारी अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहित ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किये है। कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रिचा गोस्वामी एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे की अनुशंसा से जिला कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष आनंद बक्षी के द्वारा नवनियुक्तियां की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार के हस्ते भी नियुक्ति पत्र भेंट किये गये। जिला कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ में जिला कार्यकारी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सुजीत जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल करमेले मनोनीत किये गये। कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष पद पर भी नियुक्तियां की गई जिसमें उमरेठ ब्लॉक अध्यक्ष पिंकी पवार, चौरई ब्लॉक अध्यक्ष अरूण (पप्पू) शर्मा, चंदन पटेल अमरवाड़ा, गुलाब चौधरी मोहखेड़, मोहखेड़ ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष बंशीधर गाडगे, सौंसर चक्रधर ठाकरे एवं बिछुआ ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मुरलीधर भट्ट को सौंपी है। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भेंट कर जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी नियुक्ति पर श्री कमलनाथ जी व श्री नकुलनाथ जी का आभार माना।

# 40 वर्षों बाद बनेगी सड़क

**जुन्नारदेव ।** ऐसे कई ग्राम क्षेत्र हैं जहां की कई वर्षों से सड़क बद से बत्तनर हालत में पड़ी हुई थी जिसके चलते ग्राम वासियों को सड़क से वंचित ही रहना पड़ता है जिसकी वजह से उन ग्राम वासियों को अधिकतर बारिश के समय सड़क ना होने के कारण परेशानी का सामना भी करना पड़ता था। वही जुन्नारदेव विधायक सुनील के प्रयासों से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं सांसद नकुल नाथ ने जुन्नारदेव विधानसभा में कई ग्रामों में सड़क व रंगमंच जैसी सौगात प्रदान भी की है। इसी संदर्भ में सांगाखेड़ा पंचायत के समीप ग्राम बाराचोमरी में पिछले लगभग 40 वर्षों से सड़क बद से बत्तर हालात में पड़ी हुई थी जिसके चलते ग्राम वासियों को कई परेशानियों का सामना भी झेलना पड़ रहा था वही ग्राम वासियों ने विधायक सुनील उईके से सड़क का निर्माण कार्य किए जाने की मांग रखी थी जिसके तहत विधायक के प्रयासों से बाराचोमरी से सांगाखेड़ा मुख्य सड़क पर जोड़ने वाली सडक का रविवार के दिन विधायक सुनील के द्वारा आधारशिला रखी गई। वही सड़क निर्माण के भूमि पूजन के बाद विधायक सुनील उईके एवं पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में ग्राम सांगाखेडा के भूराभगत में महादेव बाबा की पूजा अर्चना कर विधानसभा क्षेत्र की सुख शांति एवं समृद्वि की कामना की। इसके पश्चात विधायक द्वारा ग्रापं भरदी के ग्राम कांगला, ग्रापं पिल्हावाडी एवं ग्रापं सांगाखेडा के ग्राम बिजोरी में तीन रंगमंच तथा ग्राम सांगाखेड़ा में एक ओपन जिम की भी सौगात दी गई । विधायक सुनील उईके के प्रयासों से जुन्नारदेव विधानसभा के कई पहुंचविहीन ग्राम क्षेत्रों में जहां की सड़क नहीं बन पा रही थी उन क्षेत्रों में भी सड़क का निर्माण कार्य किया गया जिसके चलते अब ऐसे उन ग्रामों में ग्राम वासियों को सड़क से वंचित नहीं रहना पड़ रहा है। विधायक द्वारा अपने इस कार्यकाल में लगभग विधानसभा की सैकड़ों ग्राम पंचायत तथा ग्रामों में सड़क सहित, सैकडों की संख्या में रंगमंच व ओपन जिम एवं कई निर्माण कार्यों की आधारशिला रख चुके हैं।इस दौरान विधायक सुनील उईके साथ ब्लाक अध्यक्ष दमुआ विनोद निरापूरे, पूर्व नपा अध्यक्ष सुभाष गुलबाके, जिला पंचायत सदस्य शकुनतला माउसकर, जनपद सदस्य नारायणसिंग भोपा, जनपद अध्यक्ष सविता बोसम, राजेन्द्र लोबो, अनिल मिगलानी, अरूण साहू, सुधीर लदरे, रमेश राय, नंदू साहू, धर्मेश श्रीवास्तव, अरूणेश जायसवाल, कैलाश गुलबाके, सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र कुमार जैन प्रेस क्लब के बने अध्यक्ष

### अमरवाड़ा तहसील प्रेस क्लब का किया गया गठन. सलीम खान बने कार्यकारी अध्यक्ष, अशोक राजू सतीजा बने उपाध्यक्ष, सूरज ठाकुर सचिव

**अमरवाड़ा ।** अमरवाड़ा तहसील के प्रेस क्लब की अहम बैठक अमरवाड़ा में आयोजित की गई जिसमें अमरवाड़ा और सिंगोडी के अलावे सोनपुर पोनार जुंगा वाणी आदि स्थानों के पत्रकारों की संयुक्त

बैठक आयोजित की गई बैठक मुख्य रूप से प्रेस क्लब गठन को लेकर रखी गई थी, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई वही सर्व सहमति से अमरवाड़ा तहसील प्रेस क्लब का गठन किया गयाद्य जिसमें प्रेस क्लब अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र जैन को बनाया गया , वही कार्यवाहक अध्यक्ष सलीम खान, पत्रकार, उपाध्यक्ष अशोक राजू सतीजा सिंगोडी, सुजान सिंह उईके, सचिव सूरज ठाकुर, सह सचिव योगेश चौरसिया, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्रा को मीडिया प्रभारी अमर गिर तरुण शुक्ला बनाए गए। प्रेस क्लब की बैठक मेंनिर्णय लिए गए अमरवाड़ा क्षेत्र में अवैध रूप से पत्रकारिता के नाम पर लोगों को डराने चमकाने वाले ऐसे तथाकथित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी जो पत्रकारिता का नाम खराब कर रहे हैं द्यवही संगठन को लेकर चर्चा हुई इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार वसंत जयसवाल, शोएब खान, अंकुर जैन,तरुण शुक्ला, मुकेश सूर्यवंशी, मनोज डेहरिया, कमलेश सोनी जाहिद खान, तौफीक मिस्कीन, अमर गिरी, शरद सेन रिजवान, अनमोल बत्रा, अमन साहू, प्रीतम कुशवाहा, कमलेश सोनी, अंशुल जैन, अशफाक खान सहित पत्रकार बंधु मौजूद रहे अंत में स्नेह भोज संपन्न हुआ समस्त पत्रकार बंधुओं ने एक दूसरों को बधाई देकर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी

## पति शराब पीकर मारपीट करता है, पत्नी मोबाइल में मशगूल रहती है

**अमरवाड़ा ।** अमरवाड़ा अनु विभाग पुलिस अधिकारी रविंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन एवं नगर निरीक्षक थाना अमरवाड़ा मोहन सिंह मस्कोले की उपस्थिति में परिवार परामर्श केंद्र अमरवाड़ा यहां पर थाना अमरवाड़ा हर्राई बटका खापा संलग्न चौकी सिंगोड़ी,धनोरा क्षेत्र के पारिवारिक प्रकरणों का परामर्श देकर समझौता कराया जाता है परिवार परामर्श केंद्र में निर्मला मंडावी अमृता पुलिस आरक्षक एवं काउंसलर ललिता सिंगोरे आदि की उपस्थिति में दर्जनों प्रकरणों की सुनवाई कि दौरान देखा गया कि दो मामलों में पत्नी पति के द्वारा शराब पीकर मारपीट करने दुर्व्यवहार करने की शिकायत होने के कारण वह अपने मायके में रह रही वही एक प्रकरण में देखा गया कि महिला अपने संयुक्त परिवार में रहने को इसलिए तैयार नहीं है की सास एवं नंद द्वारा उसको लेकर टीका टिप्पणी की जाती है एक मामले में पति द्वारा बताया गया कि उसकी पत्नी मोबाइल पर दिनभर लगी रहती है और लोगों से घुलमिल कर बात करती है लेकिन परिवार में गुस्सा जताती है, प्रस्तुत किए गए प्रकरणों में 2 प्रकरणों में समझौता कराने का प्रयास किया गया वहीं कुछ प्रकरणों में एक पार्टी के नहीं आने पर प्रकरण आगामी तिथि के लिए बढ़ाया गया वही 2 प्रकरणों में न्यायालय की शरण

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता जी के लिए श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर तर्पण किया

**छिंदवाड़ा ।** शक्ति ट्रस्ट द्वारा संचालित संत श्री आशारामजी गुरूकुल में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूज्य माताजी हीरा बहन के परलोक गमन पर समिति के साधकों ने श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर पुण्य अर्पण किया । इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि हमारे शास्त्रों में आता है कि मनुष्य का शरीर छूट जाने पर तीसरा , दसवां , अस्थि विसर्जन , तेरहवीं और गंगा पूजन का विधान है । किसी कारणवश समय पर यह सब ना कर पाए तो श्रीमद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर पुण्य अर्पण करने का भी विधान है । समिति समय - समय पर इस प्रकार की सेवा करते रहती हैं । पूज्य बापूजी ऐसे सन्त हैं जिनके सत्संग कार्यक्रम में सभी पार्टियों के प्रतिनिधि उपस्थित होतें रहें हैं , जिसमें 6 राष्ट्रपति ( आर वेंकटरमण , संकर दयाल शर्मा ,के आर नारायण , अब्दुल कलाम , प्रतिभा पाटील , प्रणव मुखर्जी )और 5 प्रधानमंत्री ( विश्वनाथ प्रताप सिंह , चन्द्र शेखर , इंद्र कुमार गुजराल , अटल बिहारी वाजपेयी , नरेंद्र मोदी )प्रमुख हैं। नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब पूज्य बापूजी के सत्संग कार्यक्रम में अक्सर आया करते थे । सन्तों के आशीर्वाद और कृपा से आज नरेन्द्र मोदी देश ही नही पूरे विश्व के नेता बन गए हैं । प्रधानमंत्री नरेंद मोदी और संस्था के आत्मीय रिश्ते रहें हैं। इस कारण हम सब साधकों ने उनकी पूज्य माता जी के मोक्ष हेतु गीता पाठ कर पुण्य अर्पण किया । इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष विवेक ( बंटी ) साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

## 1993 बैच के चार अधिकारी मुख्य सचिव वेतनमान में पदोन्नत

**चंडीगढ़।** पंजाब में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1993 बैच के चार अधिकारियों को मुख्य सचिव वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। उन्हें पदोन्नति के बाद प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव पदस्थ किया गया है। ये अधिकारी हैं- अनुराग वर्मा, राकेश कुमार वर्मा, काकुमनु सिवा प्रसाद और रमेश कुमार। इनमें से राकेश कुमार वर्मा वर्तमान में भारत सरकार में पदस्थ हैं जबकि शेष तीनों अधिकारी पंजाब कैडर में ही पदस्थ हैंएम इन तीनों अधिकारियों के पास वे ही प्रभार रहेंगे जो इनके प्रमुख सचिव पद पर रहे हैं।

## करणी सेना का राजधानी में 8 जनवरी को आंदोलन

**भोपाल।** राजधानी में करणी सेना परिवार द्वारा सर्वसमाज को साथ लेकर 8 जनवरी 2023 को जम्बुरी मैदान में जन आन्दोलन किया जा रहा है। करणी सेना परिवार पिछले 7 वर्षो से लगातार आन्दोलन और ज्ञापन के माध्यम से स्वर्ण समाज और सर्व समाज की मांग को उठाते आये है जिसमें कई सफलताएँ भी मिली लेकिन अभी भी कई मांगे अधूरी है। पूर्व में रतलाम, उज्जैन व इन्दौर सहित प्रदेश के लगभग सभी जिलों, नगर व ग्राम स्तर पर आन्दोलन कर सरकार को जगाने का प्रयास किया गया । वर्तमान में भी 6 माह पूर्व करणी सेना परिवार ने 8 जनवरी जनआदोलन की घोषणा की थी जिसको लेकर पूरे प्रदेश में स्वाभिमान यात्रा निकाली जा रही है । इस यात्रा का प्रारंभ महाराणा प्रताप की जन्मस्थली कुम्भलगढ़ से की गई थी जिसमें म.प्र. के लगभग सभी जिलो का भ्रमण कर लोगो को जगाने का काम किया । 22 सूत्रीय मांगों को लेकर जनमानस को जाग्रत कर क्रांति की शुरूआत की है जो म.प्र. के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत में पहुंच चुकी है। इस क्रांति को सर्वसमाज का भरपूर सहयोग मिल रहा है इस वजह से सरकार और सरकार बैठे लोगों में आन्दोलन की विशालता के अनुमान से घबराहट पैदा हो रही हैं ।

से जीवंत संपर्क बनाना चाहती है। इसलिए स्से जीवंत संपर्क बनाना चाहती है। इसलिए स्

## पानी का इंडिविजुअल कनेक्शन, हर विधानसभा की एक या दो कॉलोनी से होगी शुरुआत

**भोपाल।** पानी के बल्क कनेक्शन की जगह इंडिविजुअल कनेक्शन देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार हो रहा है। हर विधानसभा क्षेत्र में एक या दो कॉलोनी में इंडिविजुअल कनेक्शन देने से इसकी शुरुआत हो सकती है। इसके लिए बजट का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके साथ ही एक बार इंडिविजुअल कनेक्शन देने के बाद उसके नियमित मेंटेनेंस पर होने वाले खर्च की व्यवस्था कैसे होगी? इस प्रश्न का जवाब भी निगम अफसर तलाश रहे हैं। एक अनुमान लगाया गया है कि इंडिविजुअल कनेक्शन देने पर कम से कम 800 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

लगभग 2000 करोड़ रुपए के कुल बजट वाले नगर निगम के लिए इतना बड़ा प्रोजेक्ट बिना कर्ज या सरकारी सहायता के लिए यह एक असंभव सा काम नजर आ रहा है। इसके लिए जनभागीदारी के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। जिस तरह घर-घर जाकर बिल वसूली रहवासी समितियों के लिए मुश्किल हो गई है, वही स्थिति निगम के साथ होने की आशंका भी जताई जा रही है। आखिर इस वसूली के लिए स्टाफ कहां से आएगा? पुरानी कालोनियां का नेटवर्क टेकओवर करने में एक आशंका मेंटेनेंस के खर्च को लेकर भी है।

ज्यादातर कालोनियों में पुराने जीआई पाइप की लाइन बिछी हुई है और 15-20 साल में इसे बदलना होता है।मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने नगर निगम चुनाव में घोषणा की थी कि निजी कालोनियों में पानी के बल्क कनेक्शन की जगह इंडिविजुअल कनेक्शन दिए जाएंगे। करीब एक महीने पहले नगर निगम ने पार्षदों और अफसरों की एक कमेटी बनाई थी जो इस बात पर विचार कर रही है कि आखिर इसका तरीका क्या हो? महापौर मालती राय खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रही है। नगर निगम के जलकार्य विभाग के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर उदित गर्ग ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार इंडिविजुअल कनेक्शन देने की योजना तैयार हो रही है।

## कोहरे से लेट हो रही ट्रेनें, रिटायरिंग और वेटिंग रूम फुल

**भोपाल।** कोहरे और खराब मौसम ने ट्रेनों की रफ्तार पर अंकुश लगा दिया है। एक तरफ जहां कोहरे से ट्रेन निरस्त हो रही हैं, वहीं घंटों विलंब से ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंच रही हैं। कोहरे ने यात्रियों के सफर को मुसीबत भरा बना दिया है। अधिकांश ट्रेनें एक से बारह घंटे तक की देरी से चल रही हैं। ठंड से बचने के लिए रिटायरिंग रूम, वेटिंग रूम, पैसेंजर हाल, बुकिंग हाल फुल हो रहे हैं। रविवार को भी दर्जनभर ट्रेनें दो से छह घंटे तक की देरी से ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन की स्थिति की स्पष्ट जानकारी न होने से यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। घने कोहरे के प्रकोप ने एक तरफ जहां आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर रख दिया है, वहीं इसका प्रतिकूल प्रभाव ट्रेन की रफ्तार पर भी पड़ने लगा है। ट्रेनों का घंटों विलंब से ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। सर्दी की शुरूआत से ही ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला शुरू हो गया था। लेटलतीफी का यह सिलसिला और अधिक बढ़ गया है। हालत यह है कि हबीबगंज से आने वाली शताब्दी एक्सप्रेस रविवार की रात्रि लगभग 10 बजे के पास ग्वालियर पहुंची, जबकि जबलपुर से आने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस को रेलवे ने री-शेड्यूल कर दिया।

दस्थ किया गया है। ये अधिकारी हैं- अनुराग वर्मा, राकेश कुमार वम

दस्थ किया गया है। ये अधिकारी हैं- अनुराग वर्मा, राकेश कुमार वम

# मध्य प्रदेश में मंत्री और विधायकों को 5 प्रतिशत वोटर को बनाना होगा फालोअर

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भाजपा और राज्य सरकार मतदाताओं से जीवंत संपर्क बनाना चाहती है। इसलिए स्थानीय नेताओं के बाद मंत्रियों और विधायकों को भी इंटरनेट मीडिया पर सक्रियता बढ़ाने और अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम पांच प्रतिशत मतदाताओं को फालोअर बनाने के निर्देश दिए हैं। मंत्रियों को इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय रखने के लिए राज्य सरकार संसाधन भी उपलब्ध करा रही है। विभिन्न इंटरनेट माध्यमों पर उनके खाते भी खोले गए हैं। सरकार का मानना है कि मंत्री और विधायक इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आमजन से जुड़ेंगे तो केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाना आसान हो जाएगा। वे अपनी बात सीधे मंत्री या विधायक तक पहुंचा सकेंगे। जबकि राजनीति के जानकार कहते हैं कि यह विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जनता से सीधे जुड़ाव से जुड़ा मामला है।

मध्य प्रदेश में साढ़े सात करोड़ से ज्यादा मोबाइल उपभोक्ता हैं। इनमें से 95 प्रतिशत उपभोक्ता एंड्राइड फोन का इस्तेमाल करते हैं। वे वाट्सएप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम सहित अन्य प्लेटफार्म पर हैं। सत्ता और संगठन का मानना है कि मोबाइल के जरिए प्रत्येक मतदाता तक पहुंचा जा सकता है। इसीलिए स्थानीय नेताओं, मंत्रियों-विधायकों को बार-बार इंटरनेट मीडिया पर सक्रियता बढ़ाने को कहा जा रहा है। अब चुनाव सामने हैं, ऐसे में सरकार ने भी मंत्रियों को फालोअर बढ़ाने को कह दिया है ताकि इंटरनेट मीडिया पर ही सही, क्षेत्र में मंत्री सक्रिय दिखाई दें। उन्हें पार्टी से सीधे जुड़े या संपर्क में रहने वाले मतदाताओं द्वारा विभिन्न माध्यमों में की गई पोस्ट को लाइक, शेयर करने को भी कहा गया है।

उनसे कहा गया है कि जब स्थानीय कार्यक्रमों में जाएं, तो आसपास की बस्ती में भी घूम आएं। यही बात संगठन ने विधायकों को भी कही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले दिनों वन-टू-वन चर्चा में इसे लेकर साफ निर्देश दिए थे। उल्लेखनीय है कि ज्यादातर मंत्री इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय हुए हैं पर कुछ मंत्री अपेक्षाकृत फालोअर नहीं बढ़ा पाए हैं।

### 7.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल उपभोक्ता हैं मध्य प्रदेश में

चार मंत्री पांच प्रतिशत फालोअर भी नहीं बना पाए मंत्री और विधायकों ने इंटरनेट मीडिया पर कितने फालोअर बनाए, इसकी लगातार मानीटरिंग की जा रही है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक शिवराज सरकार के 31 में से चार मंत्री ऐसे हैं, जो इंटरनेट मीडिया पर पांच प्रतिशत फालोअर भी तैयार नहीं कर पाए हैं। यही कारण है कि मंत्रियों के फालोअर बढ़ाने के लिए जिला और विकासखंड स्तर पर 25 हजार कार्यकर्ताओं को इंटरनेट मीडिया ओरिएंटेशन दिया गया है। इंटरनेट मीडिया एनालिस्ट नियुक्त किए गए हैं। सभी विभागों, मंत्री-विधायकों द्वारा इंटरनेट मीडिया के उपयोग का निगरानी तंत्र तैयार कर प्रशिक्षण शुरू कराया गया है।

## बर्थडे पर कांग्रेस विधायक ने की हर्ष फायरिंग

### 'मैं हूं डॉन' गाना बजते ही जोश में आए विधायक, गृहमंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

**अनूपपुर।** कोतमा के कांग्रेस विधायक सुनील सराफ एकबार फिर सुर्खियों में हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है जिसमें वे फिल्मी गानों में थिरकते और फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। इसकी शिकायत पूर्व विधायक दिलीप जयसवाल ने पुलिस अधीक्षक से की है। वहीं कुछ अन्य भाजपा नेताओं ने भी ट्विटर के माध्यम से मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और डीजीपी से इस घटना के बारे में संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की हैं। इस मामले में मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सोमवार को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

**जन्मदिन पर विधायक ने की फायरिंग-** जानकारी के अनुसार ये वीडियो 1 जनवरी का है, जब विधायक सुनील सराफ ने अपना जन्मदिन मनाया। बर्थडे के मौके पर विधायक के घर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आम लोगों के साथ कई कांग्रेसी नेता भी वहां मौजूद थे। जो कि फिल्मी गानों पर डांस कर रहे थे। इस दौरान विधायक ने रिवॉल्वर निकालकर हर्ष फायरिंग की। गनीमत था कि उनकी रिवॉल्वर का मुंह ऊपर की ओर था, जिसके चलते उसकी चपेट में कोई नहीं आया।

### 'मैं हूं डॉन' गाने पर खोया आपा

जन्मदिन के कार्यक्रम में जैसे ही %मैं हूं डॉन, मैं हूं डॉन% गाना बजा, कांग्रेस विधायक खुद को रोक नहीं पाए। विधायक नाचते हुए मंच तक पहुंचे और उन्होंने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकालकर फायरिंग कर दी। यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेताओं ने इसे लेकर पुलिस से शिकायत और पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की।

### गृहमंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

विधायक सराफ का हर्ष फायरिंग करते हुए वीडियो सामने आने के बाद मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी प्रतिक्रिया दी, उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक का इस तरह पिस्टल लहराकर डांस करना गलत है। उन्होंने अनूपपुर एसपी को इस मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवार ने बताया कि विधायक का वायरल वीडियो मंगाया है। थाना प्रभारी कोतमा अजय बैगा को वीडियो के जांच के निर्देश दिए हैं। जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

### एक साल पहले जारी हुई थी रिवॉल्वर

विधायक सराफ जिस पिस्टल से फायर करते दिखाई दे रहे हैं वह उनकी लाइसेंसी गन है। जो सालभर पहले ही रात्रि के समय हुए विवाद के बाद विधायक ने अपनी सुरक्षा के लिए ली थी। जब विधायक ने फायर किया उस समय मंच पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मनोज सोनी और कोतमा नगर पालिका के उपाध्यक्ष के पति बद्री ताम्रकार भी मौजूद थे।

### 2018 में पहली बार चुनाव लड़ा और बने विधायक

कोतमा विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक सुनील सराफ ने पॉलिटेक्निक कॉलेज से डिप्लोमा किया है। इसके बाद उन्होंने शहडोल से ग्रेजुएशन किया। सुनील सराफ के पिता कॉलरी कर्मचारी हैं। सुनील कांग्रेस के कार्यकर्ता के रूप में कई सालों से कार्यरत थे। इससे पहले उन्होंने कोई भी चुनाव नहीं लड़ा था। 2018 में कोतमा विधानसभा से टिकट मिल गया। वे बीजेपी के दिलीप जायसवाल को हराकर पहली बार विधानसभा में पहुंचे। सुनील सराफ विधायक बनने से पहले कांग्रेस के किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रहे। अपने आपको कमलनाथ की बहुत करीबी बताते हैं और कमल दल का होने की बात कहते हैं। लेकिन लोगों की माने तो यह बीजेपी के भी बहुत करीब माने जाते हैं। जिसके का वजह से इनका कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ मतभेद बना रहता हैं।

## भिंड से गुजरात जा रहे तीन तस्कर पकड़े, 6 लाख रु. से अधिक के कट्टे-पिस्टल बरामद

**भिंड।** भिंड से अवैध हथियारों की खेप को खरीद कर गुजरात ले जाते समय तीन तस्कर को मेहगांव पुलिस ने दबोच लिया। इन तस्करों से पुलिस को 11 कट्टे, 5 पिस्टल और 60 कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए हथियारों की कीमत करीब 6 लाख से अधिक आंकी जा रही है। इन बदमाशों की मुलाकात भिंड के हथियार तस्कर से जूनागढ़ गुजरात की जेल में हुई थी, यहीं बदमाशों के बीच डील हुई थी।

नए वर्ष पर पुलिस को चेकिंग के द्वारा एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। भिंड के मेहगांव थाना प्रभारी वरुण तिवारी द्वारा सघन चेकिंग अभियान चला जा रहा था, तभी मुखबिर ने सूचना दी की सफेद रंग की गुजरात नंबर कार में कुछ संदिग्ध लोग बैठे हुए। भिंड एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि उक्त लोगों के पास हथियार होने की पुलिस को सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में पारस पुत्र चंद्रेश भाई पुरोहित निवासी जोशीपुरा श्रीनाथ नगर, अजीम पुत्र अल्लाह रक्खा निवासी राव निवासी मनावद, सोहित पुत्र सादिक मियां कादरी निवासी मनावद सभी निवासी गण जूनागढ़ गुजरात के हैं। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि पूछताछ में खुलासा किया उन्होंने एमजीएस कॉलेज के पास से राजेश राजावत उसके साथियों से हथियार खरीदे थे।

**गुजरात में हुआ सौदा भिंड में खरीदे हथियार-** पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया राजेश राजावत निवासी नयागांव थाना क्षेत्र का है। उक्त आरोपियों की मुलाकात 3 महीने पहले जूनागढ़ जेल में हुई थी। यहां पर आरोपियों ने गुजरात में हथियार तस्करी को लेकर प्लांट तैयार किया था। राजेश ने तीनों आरोपियों से इस दौरान भिंड से सस्ते दामों में कट्टे पिस्टल व कारतूस उपलब्ध कराने का सौदा किया था। खरीदे गए हथियारों की कीमत में पिस्टल 25 हजार और कट्टो को पांच-पांच हजार में दिलाए जाने का सौदा तय हुआ था।

## न्यू पेंशन स्कीम का विरोध, मप्र के जिन शिक्षकों को हर महीने 56 हजार रुपए तनख्वाह मिलती थी, रिटायरमेंट के बाद उन्हें पेंशन में

**भोपाल।** कैलाश प्रसाद मालवीय, इछावर के स्कूल में प्राथमिक शिक्षक थे। उन्हें हर महीने ?56 हजार सैलरी मिलती थी। 31 जुलाई 2022 को वे रिटायर हुए। अब उन्हें सिर्फ ?700 पेंशन मिल रही है। कैलाश की तरह भोपाल में 17 हजार जबकि प्रदेश में ऐसे 5 लाख कर्मचारी है जिन्हें इतनी कम पेंशन से गुजर बसर करनी पड़ रही है। इतनी कम पेंशन की सिर्फ एक वजह न्यू पेंशन स्कीम है। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि जनवरी 2005 के बाद सरकारी नौकरी में आए कर्मचारी एवं इसके बाद नए कैडर में शामिल हुए शिक्षक न्यू पेंशन स्कीम के दायरे में आ रहे हैं। स्कीम में तय प्रावधानों के तहत उनके वेतन से अंशदान की कटौती होती है।

रामस्वरूप देवलिया सीहोर में प्राथमिक शिक्षक थे। नियुक्ति 31 अक्टूबर 1998 को हुई थी। वेतन 45 हजार प्रति माह था। 31 अक्टूबर 2021 को रिटायर हुए और उन्हें सिर्फ 1836 रु. पेंशन मिल रही है।

10 साल में 500 से ज्यादा छोटे बड़े आंदोलन- न्यू पेंशन स्कीम के विरोध में और पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की मांग को लेकर कर्मचारी संघ और शिक्षकों के संगठन बीते 10 साल 500 से ज्यादा छोटे बड़े आंदोलन कर चुके हैं। शिक्षक परसराम कपाड़िया सड़क पर लेट-लेटकर सीहोर से भोपाल तक पहुंचे हैं। इस साल भी इस मामले में 51 आंदोलन और किए जाएंगे।

शैक्षणिक मामलों के जानकार रमाकांत पांडे के मुताबिक 1998 या उसके आसपास के वर्षों में यह शिक्षक, शिक्षाकर्मी थे। 2007 में ये अध्यापक बने। तब इनकी सैलरी भी कम थी। 2018 में इन्हें राज्य स्कूल शिक्षक सेवा नाम के कैडर में शामिल किया गया। इसके बाद सातवां वेतनमान लागू हुआ तो सैलरी दोगुनी हो गई।

## 50 हजार की रिश्वत लेते टीआई-आरक्षक पकड़ाए

### कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त और पुलिस के बीच हुआ विवाद, टीआई मौके से फरार

**पन्ना।** मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में रिश्वतखोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नए साल की शुरुआत में ही थाना प्रभारी देवेंद्रनगर ज्योति सिकरवार व पुलिस आरक्षक अमर सिंह को सागर लोकायुक्त ने 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

लोकायुक्त की यह कार्रवाई पन्ना जिले की सबसे विवादित कार्रवाई साबित हुई है, क्योंकि इस दौरान ही टीआई ज्योति लोकायुक्त के अधिकारियों को चकमा देकर भाग गई, लेकिन लोकायुक्त की टीम ने कार्रवाई जारी रखते हुए आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है।

**जानिए पूरा मामला-** पन्ना जिले के देवेंद्रनगर थाना प्रभारी ज्योति सिकरवार ने

विनोद यादव निवासी ग्राम खमरिया से मारपीट के मामले में धाराएं बढ़ाने व फरियादी के पक्ष के लोगों को मामले में रियायत देने के एवज में 60 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। जिसमें फरियादी विनोद यादव ने 10 हजार रुपए की पहली किश्त आरक्षक अमर सिंह के माध्यम से पहले दी थी।

फिर आरक्षक के माध्यम से थाना प्रभारी 50 हजार की मांग कर रही थी। जिससे परेशान युवक ने सागर लोकायुक्त एसपी रामेश्वर सिंह यादव के कार्यालय में शिकायत की। फिर 1 जनवरी की शाम जब सभी नववर्ष मना रहे थे। तभी थाना देवेंद्रनगर में लोकायुक्त की टीम का छापा पड़ा। जिसके बाद थाना परिसर में बने टीआई के आवास में फरियादी से टीआई और आरक्षक को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

### भागमभाग के बीच मारपीट की भी नौबत आई, लेकिन चलती रही लोकायुक्त की कार्रवाई

1 जनवरी की रात्रि देवेंद्रनगर थाना परिसर लोकायुक्त की कार्रवाई से भागमभाग व बात विवाद का अखाड़ा बन गया। ट्रेप करने के दौरान पहले आरक्षक अमर फरियादी से रिश्वत के लिए रकम लेकर भाग गया। जैसे-तैसे टीआई ने बचाव के चक्कर में आरक्षक को बुलाया और फिर लोकायुक्त की टीम ने दोनों के हाथ रंगवाएं तो रंग गुलाबी हो गया। इसके बाद टीआई और उनके कुछ पुलिस वालों ने लोकायुक्त को टीम से ही विवाद और झीना-झपटी भी करना शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए लोकायुक्त ने पन्ना एडिशनल एसपी और एसडीओपी को बुलवाया लेकिन फिर टीआई कार्रवाई के दौरान बाथरुम का बहाना बनाकर भाग गई, लेकिन आरक्षक को टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।